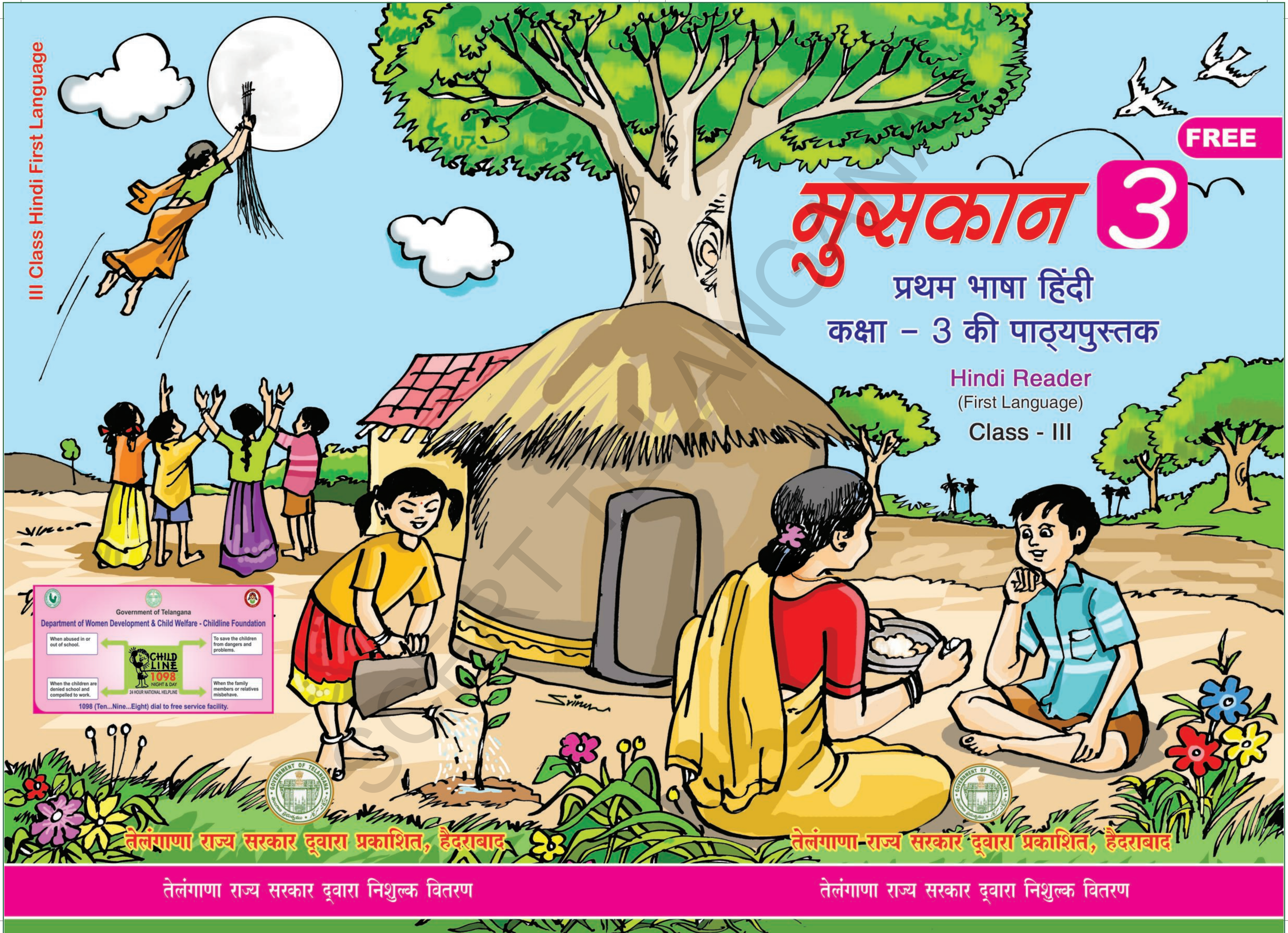

III Class Hindi First Language
FREE
मुसकान 3
प्रथम भाषा हिंदी
कक्षा - 3 की पाठ्यपुस्तक
Hindi Reader
(First Language)
Class - III
Government of Telangana
Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation
When abused in or out of school.
To save the children from dangers and problems.
CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY
24 HOUR NATIONAL HELPLINE
When the children are denied school and compelled to work.
When the family members or relatives misbehave.
1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.
तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा प्रकाशित, हैदराबाद
तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा प्रकाशित, हैदराबाद
तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा निशुल्क वितरण
तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा निशुल्क वितरण

बच्चो! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

* यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप भाषा के सभी कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए आप अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।
* पाठ व अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके अतिरिक्त 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिख सकते हैं।
* हर पाठ के प्रारंभ में उन्मुखीकरण का चित्र दिया गया है। इस चित्र के माध्यम से आप सबसे पहले संज्ञा शब्दों, तत्पश्चात क्रिया शब्दों की और सोच-विचार के वाक्यों की पहचान करनी चाहिए।
* हर पाठ में 'सुनिए-बोलिए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर सोच-विचार के देने चाहिए। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
* हर पाठ में 'पढ़िए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर पाठ पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य आपमें पढ़ने व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।
* हर पाठ में 'लिखिए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में देना चाहिए। इसे हम 'स्वरचना' भी कहते हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करना चाहिए।
* हर पाठ में 'शब्द-भंडार' व 'भाषा की बात' के अभ्यास दिये गये हैं। इन अभ्यासों का हल समूहों में बैठकर करना चाहिए। आवश्यकतानुसार अध्यापक का सहयोग लेना चाहिए।
* 'परियोजना कार्य' स्वयं करके सीखने का कार्य है। इसे व्यक्तिगत या समूह में बैठकर करना चाहिए।
* हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' के प्रश्न दिये गये हैं। इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देने चाहिए जिससे आप में भाषा का सृजनशील विकास होगा ।
* स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गयी है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं; रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

SCERT TELANGANA

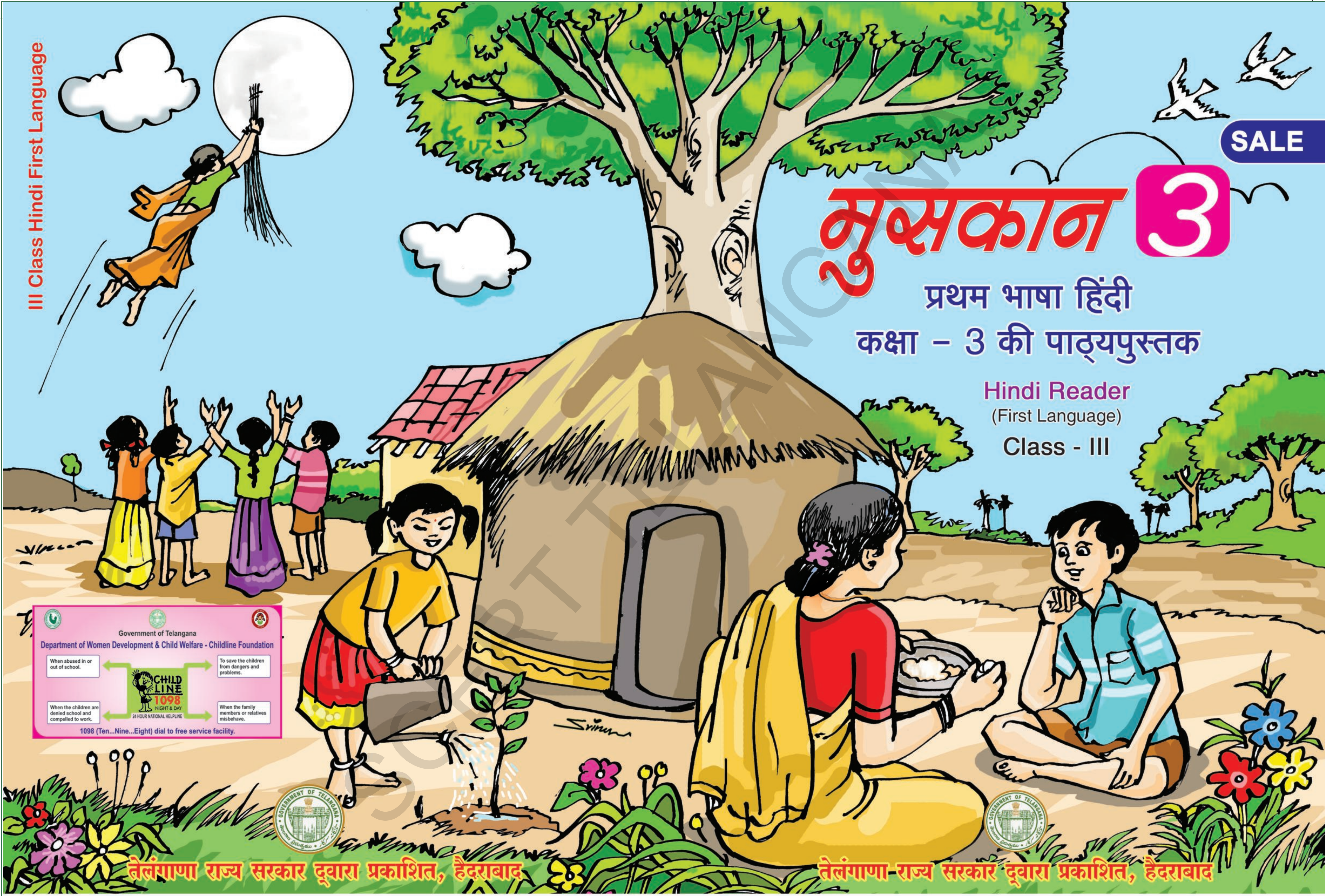

III Class Hindi First Language

SALE

मुसकान 3

प्रथम भाषा हिंदी

कक्षा – 3 की पाठ्यपुस्तक

Hindi Reader

(First Language)

Class - III

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा निशुल्क वितरण

तेलंगाणा राज्य सरकार दूवारा निशुल्क वितरण

मुसकान - 3

प्रथम भाषा हिंदी कक्षा तीन की पाठ्यपुस्तक

Class-III Hindi (First Language)

संपादक मंडल

प्रो. टी. वी. कट्टीमनी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय,हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय

शैक्षिक सलाहकार

डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री सुवर्ण विनायक
शैक्षिक सलाहकार, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

समन्वयक

डॉ. पी. शारदा
हिंदी विभाग, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

पाठ्य पुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
प्रोफेसर, सी एंड टी, एससीईआरटी, तेलंगाणा राज्य

श्री बी सुधाकर
निदेशक, सरकारी पुस्तक प्रकाशनालय, तेलंगाणा राज्य

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

© Government of Telangana State, Hyderabad.

First Published 2012

New Impression 2014, 2015, 2017, 2018, 2019

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. SSMaplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण 2019-20

Printed in India
at the Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

डॉ. पी. शारदा
हिंदी विभाग,
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी
एस.ए. हिंदी, जी.एच. एस. रामन्नापेट,नलगोंडा

श्री सैयद मतीन अहमद
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. सैयद एम. एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती एन. हेमलता
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

विषय सलाहकार

श्री कुमार अनुपम
संसाधक,विद्‌या भवन संदर्भ केंद्र
उदयपुर, राजस्थान

श्री पुष्पराज राणावत
संसाधक,विद्‌या भवन संदर्भ केंद्र
उदयपुर, राजस्थान

श्री अनुशब्द
संसाधक,विद्‌या भवन संदर्भ केंद्र
उदयपुर, राजस्थान

चित्रांकन

श्री कुरेल्ला श्रीनिवास
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री अलवाला किशोर
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्‌वारा निशुल्क वितरण 2019-20

आमुख

हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का कितना अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों को अनदेखा किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

यह उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है, जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा, हैदराबाद प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से एनसीईआरटी की ओर से गठित पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व आभार व्यक्त करती है। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित राज्य शैक्षिक अनुंसधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा, हैदराबाद टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी। जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी

निदेशक,राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

आभार

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद, ने तीसरी कक्षा प्रथम भाषा हिंदी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की तीसरी कक्षा हिंदी की रिमझिम–3 शीर्षकीय पुस्तक के पाठों को लेकर, एससीएफ–2011 में बताये गये मानदंडों के आधार पर अभ्यास जोड़े गये। रिमझिम–3 के अभ्यासों के अतिरिक्त सुनिए–बोलिए, सृजनात्मक अभिव्यक्ति, शब्द–भंडार, प्रशंसा, भाषा परियोजना कार्य जोड़े गये हैं। हर पाठ का आरंभ एक प्रस्तावना चित्र, प्रश्न, सूचनाओं के साथ हुआ है। इस तरह बनायी गयी पाठ्यपुस्तक का नाम मुसकान–3 रखा गया है। रिमझिम–3 के पाठों व अभ्यासों को स्वीकारने की अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के हम आभारी हैं। पाठ्यपुस्तक के विकास एवं निर्माण हेतु प्रशिक्षण देने के लिए प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री, पाठों के चयन तथा सुझाव देने के लिए विद्या भवन सोसायटी के विषय विशेषज्ञों को विशेष आभार प्रकट किया जाता है।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए हम प्रोफ़ेसर कृष्ण कांत वशिष्ठ, *विभागाध्यक्ष*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हर संभव सहयोग दिया।

परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गई हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए निदेशक, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली (क्योंजीमल और कैसे कैसलिया); निदेशक, चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली (जब मुझे साँप ने काटा); निदेशक, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नालॉजी कम्यूनिकेशन, नई दिल्ली (पत्तियों का चिड़ियाघर); प्रकाशक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (सबसे अच्छा पेड़); प्रकाशक, नवनीत पब्लिकेशंस इंडिया लिमिटेड, दादर, मुंबई (शेखीबाज़ मक्खी); प्रकाशक, राजपाल एंड संस, दिल्ली (बंदर बाँट एवं बहादुर बित्तो); मुख्य संपादक, रत्नासागर प्रकाशन, दिल्ली (टिपटिपवा); प्रकाशक, सफ़दर हाश्मी मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली (सर्दी आई); प्रकाशक, एकलव्य, भोपाल (चाँद वाली अम्मा); पूनम सेवक, बरेली (हमसे सब कहते हैं) के हम आभारी हैं। नेशनल मिशन फॉर मैन्यूस्क्रिप्ट्स, नई दिल्ली द्वारा सहयोग प्रदान किए जाने के लिए हम आभार व्यक्त करते हैं।

निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली एवं संग्रहालयाध्यक्ष, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के प्रति भी हम कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं, जिन्होंने अपनी संस्था के पुस्तकालय के उपयोग की हमें सहर्ष अनुमति दी।

मुख्य अध्यापक, नगर निगम प्राथमिक विद्यालय, कापसहेड़ा, समालखा एवं बिजवासिन ने हमें अपने विद्यालयों में बच्चों तथा शिक्षकों से किताब के संबंध में बातें करने का अवसर दिया, इसके लिए हम आभार व्यक्त करते हैं।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए हम आरती गौनियाल, *सहायक शिक्षिका*, सर्वोदय विद्यालय, कैलाश एन्कलेव, सरस्वती विहार, नई दिल्ली; योगिता शर्मा, *सहायक शिक्षिका*, नगर निगम प्राथमिक विद्यालय, मधु विहार, नई दिल्ली; रीता भगत, *शिक्षिका*, केंद्रीय विद्यालय, सेक्टर 4, आर.के. पुरम, नई दिल्ली; श्रीप्रसाद, *बाल साहित्यकार*, ब्रजभूमि, एन. 9/87, डी 77, जानकीनगर, ब्रजडीहा, वाराणसी के प्रति आभारी हैं।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

बच्चों के हाथ में जैसे ही कोई नई किताब आती है, वे झट से उसे उलटना-पलटना शुरू कर देते हैं। उनमें एक स्वाभाविक उतावलापन होता है – चित्र निहारने का, कविता और कहानियों के बारे में जानने का या स्वयं उन्हें पढ़ डालने का। इस पाठ्यपुस्तक ने उनकी इस स्वाभाविक प्रवृत्ति का भरपूर फ़ायदा उठाने की कोशिश की है। किताब के लिए ऐसी कविताओं और कहानियों को चुना गया है, जिनमें बच्चों की बातचीत, उनकी आदतें, उनके नखरे, ज़िद, उनके सवाल साफ़-साफ़ झलकते हैं। इसलिए बच्चे ऐसी कविताओं या कहानियों से विचार और भावनाओं के स्तर पर एक जुड़ाव महसूस करेंगे।

- ❑ कक्षा दो तक बच्चा काफी हद तक **पढ़ना** सीख लेता है, पर कई स्तरों पर भाषा का विकास अभी भी हो रहा होता है। पढ़ने में मुश्किलें अभी भी आती ही हैं। मुश्किल आने पर बच्चा उससे कैसे जूझा; वह कौन-सा तरीका उपयोग में लाया; यह निश्चित करता है कि बच्चा पढ़ने में कितना कौशल प्राप्त कर पाया है। पढ़ने के बढ़ते अनुभव के साथ-साथ इन मुश्किलों का सामना करने का तरीका भी बदल जाता है। बच्चे पढ़ते समय लिखी गई बात की तुलना बार-बार उन बातों से करते हैं जो वे पहले से जानते हैं (पूर्व-ज्ञान)। पठन सामग्री को बच्चा तभी समझ पाता है, जब पूर्व ज्ञान से उस सामग्री का संबंध बनता है। बच्चों को जितना ज़्यादा पढ़ने को मिलेगा, पढ़ने में उनका आत्मविश्वास और रुझान उतना ही बढ़ेगा। इस बात को दृष्टिगत रखते हुए कुछ रचनाएँ केवल पढ़ने और उनमें इत्मीनान से डूबने के लिए ही दी गई हैं। ये रचनाएँ कहीं न कहीं किसी और रचना से जुड़ी हैं – कहीं विषय-वस्तु के स्तर पर तो कहीं विधा के स्तर पर। इस तरह कहीं पर बच्चे एक विषय की समझ को बढ़ाकर उसे और सुदृढ़ कर पाएँगे तो कहीं और नई जानकारी इकट्ठा कर पाएँगे। इन्हें पढ़ने में बच्चों को रस तो मिलेगा ही, उनमें पढ़ने के प्रति रुचि, आदत तथा ललक भी जगेगी।
- ❑ पाठों के अंत में **अभ्यास प्रश्न** दिए गए हैं। इन अभ्यासों को विषय सामग्री के विविध पहलुओं की जटिलता के स्तर को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। इनमें से कई प्रश्नों का उद्देश्य सूचना प्राप्त करना या बच्चों की जानकारी मापना नहीं बल्कि उन्हें बोलने और चर्चा करने का अवसर देना है। ऐसे अभ्यासों को धैर्यपूर्वक करवाएँ। किताब में दिए गए ऐसे प्रश्न केवल उदाहरण के रूप में है। आप ऐसे अन्य प्रश्न अपनी कल्पना से भी जोड़ सकती हैं। अभ्यास प्रश्नों के ज़रिए पाठ से जुड़ी भाषा की बारीकियों की ओर भी बच्चों का ध्यान खींचने का प्रयास किया गया है। अभ्यासों के अंतर्गत बच्चों को कई चीज़ें बनाने को दी गई है। इनसे स्वयं बनाने का आनंद तो बच्चों को मिलेगा ही, साथ ही निर्देश पढ़कर समझने की क्षमता का भी विकास होगा। किताब में अनेक गतिविधियाँ दी गई हैं। आप अनेक तरीकों से उनका इस्तेमाल कर सकती हैं।
- ❑ अभ्यास सिर्फ यह आँकने के लिए नहीं होते कि कहानी, कविता या पाठ बच्चों को कितना याद है।

SCERT TELANGANA

अभ्यास उन्हें पाठों से **भावनात्मक रूप से जुड़ने का मौका** भी देते हैं। जब तक बच्चे किसी पाठ से भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ेंगे, उसे अपने अनुभव से नहीं जोड़ सकेंगे तब तक उनकी पाठ की 'समझ' पूरी नहीं होगी। पूरी 'समझ' बनने पर ही बच्चे तथ्यपरक प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्नों के उत्तर भी दे सकेंगे।

- **कल्पना** करना या **अभिव्यक्ति** का अर्थ सिर्फ कहानी या कविता लिखना ही नहीं होता है। जब हम दूसरों के नज़रिए से घटना को देखते हैं, कहानी के अलग-अलग मोड़ों पर अनुमान लगाते हैं, कहानी खत्म होने के बाद भी कहानी सुनाते हैं, कहानी में घटित घटनाओं की तस्वीर अपने मन में बनाते हैं तो ये सभी हम कल्पना और अभिव्यक्ति की सहायता से करते हैं।
- बच्चों को अभिव्यक्ति का भरपूर मौका मिले, इसके लिए उन्हें सिर्फ़ पाठों की घटनाओं तक सीमित न रखें। बच्चों को नई-नई जगहों से, **नए-नए स्रोतों से जानकारी** इकट्ठी करने दें, उसके बारे में लिखने और बात करने दें। ऐसा करने से बच्चे उन ज़रूरतों से जुड़ी भाषा का इस्तेमाल करना सीखेंगे। नई जानकारियाँ एकत्रित करना, उनका विश्लेषण और उन पर तर्क करना बच्चों को अन्य विषयों की परिधि में ले जाते हैं।
- कल्पना के अलावा बच्चे भाषा का उपयोग **तर्क** करने, गौर से देखी गई चीज़ों पर बात करने और उनका **विश्लेषण** करने के लिए करते हैं।

  बच्चों में ये कौशल जितने विकसित होंगे, वे उतने ही स्पष्ट, सटीक और तार्किक ढंग से भाषा का इस्तेमाल कर सकेंगे। उनकी अभिव्यक्ति उतनी ही प्रभावशाली होगी।
- बच्चे भले ही भाषा के नियमों और व्याकरण की शब्दावली की बात न कर सकें पर इन नियमों को वे घर और अपने आसपास भाषा सुनते-सुनते सहज रूप से सीख जाते हैं। सहज रूप से भाषा के नियम सीखने की यह प्रक्रिया स्कूल में भी जारी रहनी चाहिए। इसलिए इस किताब में व्याकरण की बात अलग से न करके पाठों के संदर्भ में की गई है।

  यहाँ बच्चे 'बहुवचन' शब्द नहीं जानते पर उनका सार्थक प्रयोग करना बखूबी जानते हैं। भाषा केवल व्याकरण तक सीमित नहीं होती, एक बात को कहने के कई तरीके हो सकते हैं और यही खूबी भाषा को अधिक समृद्ध बनाती है। इसके भी भरपूर अवसर बच्चों को किताब की परिधि में और उसके बाहर दिए जाने चाहिए।
- **कार्टून** बच्चों को गुदगुदा कर किताब की ओर आकर्षित करते हैं। कार्टून देखने में बच्चों को आनंद तो आता ही है साथ ही अनजाने में वे भाषा भी सीखते हैं। दूसरी किताबों में बने कार्टूनों पर बच्चों से चर्चा करें। बच्चों से स्वयं भी कार्टून बनाने को कहें।
- किताब में अनेक **चित्र** दिए गए हैं। भाषा सीखने में चित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चित्र बच्चों को आकर्षित तो करते ही हैं, सृजनशीलता और विश्लेषण को भी प्रोत्साहित करते हैं। किताब में दिए गए चित्र विविध शैलियों में हैं। चित्रों की शैली एवं बारीकियों की ओर बच्चों का ध्यान दिलवाएँ और चित्रों पर बच्चों से चर्चा करें।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र. सं.	पाठ का नाम	विधा	पृष्ठ सं.
I.	1.	कक्कू	कविता	1
	2.	शेखीबाज़ मक्खी	कहानी	7
	3.	चाँद वाली अम्मा	कहानी	15
		सूरज और चाँद ऊपर क्यों गए	पठन हेतु	
	4.	मन करता है	कविता	25
II.	5.	बहादुर बित्तो	कहानी	30
		मूस की मज़दूरी	पठन हेतु	
	6.	हमसे सब कहते	कविता	42
	7.	टिपटिपवा	कहानी	49
III.	8.	बंदर-बाँट	संवाद रूपी कहानी	57
		अक्ल बड़ी या भैंस	पठन हेतु	
	9.	कब आऊँ	कहानी	73
	10.	क्योंजीमल और कैसे कैसलिया	कहानी	80
	11.	मीरा बहन और बाघ	कहानी	87
		कहानी की कहानी	पठन हेतु	
IV.	12.	जब मुझको साँप ने काटा	कहानी	97
		बच्चों के पत्र	पठन हेतु	
	13.	मिर्च का मज़ा	कविता	108
	14.	सबसे अच्छा पेड़	कहानी	116
		पत्तियों का चिड़ियाघर	पठन हेतु	

ये पाठ केवल पठन हेतु हैं। इन पाठों को मूल्यांकन के लिए न लें। इन पाठों का उद्देश्य बालकों में पठन रूचि विकसित करने तथा मनोरंजन प्राप्ति की ओर आकृष्ट करना है।

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

किताब में आये चिह्न

सुनिए-बोलिए

पढ़िए

परियोजना कार्य

लिखिए

शब्द-भंडार

क्या मैं ये कर सकता हूँ

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

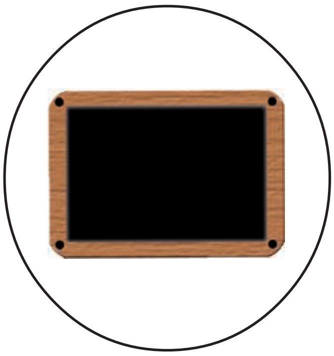
भाषा की बात

SCERT TELANGANA

इकाई - I

1. कक्कू

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. आप इस फूल को क्या नाम देना चाहेगे?
3. अगर यह फूल बोलने लगा तो आप उससे क्या कहना चाहेंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

नाम है उसका कक्कू।
कक्कू माने कोयल होता
लेकिन यह तो दिनभर रोता
इसीलिए हम इसे चिढ़ाते
कहते इसको सक्कू
नाम है उसका कक्कू।

SCERT TELANGANA

कोयल, माने मिसरी जैसी
मीठी जिसकी बोली
यह तो जाता भड़क, करो जब
इससे तनिक ठिठोली
इसीलिए तो कभी-कभी हम
कहते इसको भक्कू
नाम है उसका कक्कू।

कक्कू वह जो गाना गाए
बात-बात में जो चिढ़ जाए
रहता मुँह जो सदा फुलाए
गाना जिसको ज़रा न आए
ऐसे झगड़ालू को अब से
क्यों न कहें हम झक्कू
नाम है उसका कक्कू।

रमेशचंद्र शाह

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

सुनिए–बोलिए

1. लोग आपको किन–किन नामों से बुलाते हैं? आपको उनमें से कौनसा नाम पसंद है,क्यों?
2. आपको किसी नाम से कोई चिढ़ाता है तो कैसा लगता है? बताइए।

पढ़िए

1. कविता पढ़कर बताइए कि कक्कू के क्या–क्या नाम हैं?
2. कक्कू दिन भर क्या–क्या करता है?

लिखिए

1. कविता के आधार पर लिखिए कि कक्कू के नाम–झक्कू, भक्कू और सक्कू क्यों हैं?
2. कोयल की आवाज़ तुम्हें कैसी लगती है?
3. अपना नाम लिखिए और बताइए कि आपके नाम का क्या मतलब है?

शब्द भंडार

रेखांकित शब्द का अर्थ लिखिए।

1. रानी छोटी–छोटी बात पर मुँह फूला लेती है।
2. सुनीता को ठिठोली करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है।
3. रमेश छोटी–छोटी बात पर भड़क जाता है।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

■ अभी तक आपने कक्कू के बारे में पढ़ा। अब आप अपने बारे में लिखिए।

SCERT TELANGANA

प्रशंसा

- हमें किसी को चिढ़ाना नहीं चाहिए। इस आधार पर कक्कू के बारे में दस वाक्य लिखिए।

भाषा की बात

- इस कविता में प्रयुक्त द्‌वित्वाक्षरों की सूची बनाइए। जैसे : कक्कू
- पाँच-पाँच बच्चों की टोली बना लीजिए। अब अपनी-अपनी टोलियों के बच्चों के नाम रेल के डिब्बों में लिखिए।

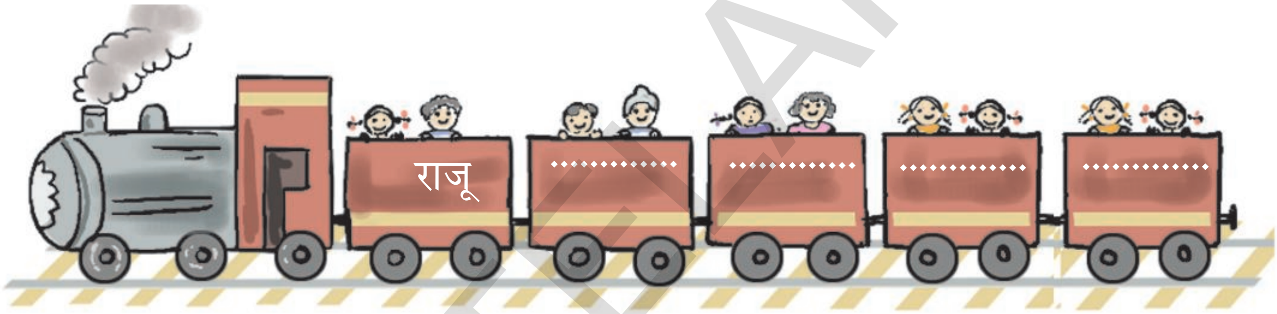

वर्णमाला याद है न? चलो, अब इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से क्रम में लगाते हैं।

....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

गेंद का मन

राजेन्द्र धोड़पकर

SCERT TELANGANA

इकाई - I

2. शेखीबाज़ मक्खी

प्रश्न :

1. चित्र में क्या–क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़के क्या कर रहे हैं?
3. लड़कों को देखने पर आपको क्या लगता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र **देखिए**। चित्र के आधार पर कल्पना **कीजिए** कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ **पढ़िए**। नये शब्द और वाक्य रेखांकित **कीजिए**।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा **कीजिए**।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में **ढूँढ़िए**।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

एक था जंगल। उस जंगल में एक शेर भोजन करके आराम कर रहा था। इतने में एक मक्खी उड़ती-उड़ती वहाँ आ पहुँची। शेर ने दो-तीन दिनों से स्नान नहीं किया था। इसलिए मक्खी शेर के कान के एकदम पास **भिन-भिन-भिन** करने लगी। शेर को बहुत मुश्किल से नींद आई थी। उसने पंजा उठाया। मक्खी उड़ गई ... लेकिन फिर से शेर के कान के पास **भिन-भिन** शुरू हो गई। अब शेर को गुस्सा आया।

वह दहाड़ा—अरे मक्खी, दूर हट। वरना तुझे अभी जान से मार डालूँगा।

मक्खी ने धीरे से कहा – छि... छि... ! जंगल के राजा के मुँह से ऐसी भाषा कहीं शोभा देती है?

शेर का गुस्सा बढ़ गया। उसने कहा – एक तो मुझे सोने नहीं देती, ऊपर से मेरे सामने जवाब देती है! चुप हो जा... वरना अभी...

मक्खी बोली – वरना क्या कर लोगे? मैं क्या तुमसे डर जाऊँगी? मैं तो तुमसे भी लड़ सकती हूँ। हिम्मत हो तो आ जाओ...!

शेर आग बबूला हो उठा। उसने कान के पास पंजा मारा। मक्खी तो

SCERT TELANGANA

उड़ गई पर कान ज़रा छिल गया। मक्खी उड़कर शेर की नाक पर बैठी तो उसने मक्खी को फिर पंजा मारा।

मक्खी उड़ गई। अबकी बार शेर की नाक छिल गई।

मक्खी कभी शेर के माथे पर बैठती, कभी गाल पर, तो कभी गर्दन पर।

SCERT TELANGANA

शेर पंजा मारता जाता और खुद को घायल करता जाता... मक्खी तो फट से उड़ जाती।

अंत में शेर ऊब गया, थक गया। वह बोला – मक्खी बहन, अब मुझे छोड़ो। मैं हारा और तुम जीतीं, बस।

मक्खी घमंड में चूर होकर उड़ती-उड़ती आगे बढ़ी। सामने एक हाथी मिला। मक्खी ने कहा – अरे हाथी... मुझे प्रणाम कर... मैंने जंगल के राजा शेर को हराया है। इसलिए जंगल में अब मेरा राज चलेगा। हाथी ने सोचा, इस पागल मक्खी से बहस करने में समय कौन बर्बाद करे।

हाथी ने सूँड़ ऊपर उठाकर मक्खी को प्रणाम किया और आगे बढ़ गया। सामने से आ रही लोमड़ी ने यह सब देखा। लोमड़ी मंद-मंद मुस्कराने लगी। इतने में मक्खी ने लोमड़ी से कहा – अरे ओ लोमड़ी, चल मुझे प्रणाम कर! मैंने जंगल के राजा शेर और विशालकाय हाथी को भी हरा दिया है।

लोमड़ी ने उसे प्रणाम किया। फिर धीरे से बोली –

धन्य हो मक्खी रानी, धन्य हो! धन्य है आपका जीवन और धन्य हैं आपके माता-पिता। लेकिन मक्खी रानी, उधर वह मकड़ी दिखाई दे रही है न, वह आपको गाली दे रही थी। उसकी ज़रा खबर लो न!

यह सुनकर मक्खी गुस्से से लाल हो उठी।

मक्खी बोली – उस मकड़ी को तो मैं चुटकी बजाते खत्म कर देती हूँ।

यह कहते हुए मक्खी मकड़ी की तरफ झपटी और मकड़ी के जाले में फँस गई। मक्खी जाले से छूटने की ज्यों-ज्यों कोशिश करती गई

SCERT TELANGANA

त्यों-त्यों और भी अधिक फँसती गई... अंत में वह थक गई, हार गई। यह देखकर लोमड़ी मंद-मंद मुस्कराती हुई वहाँ से चलती बनी।

योगेश जोशी

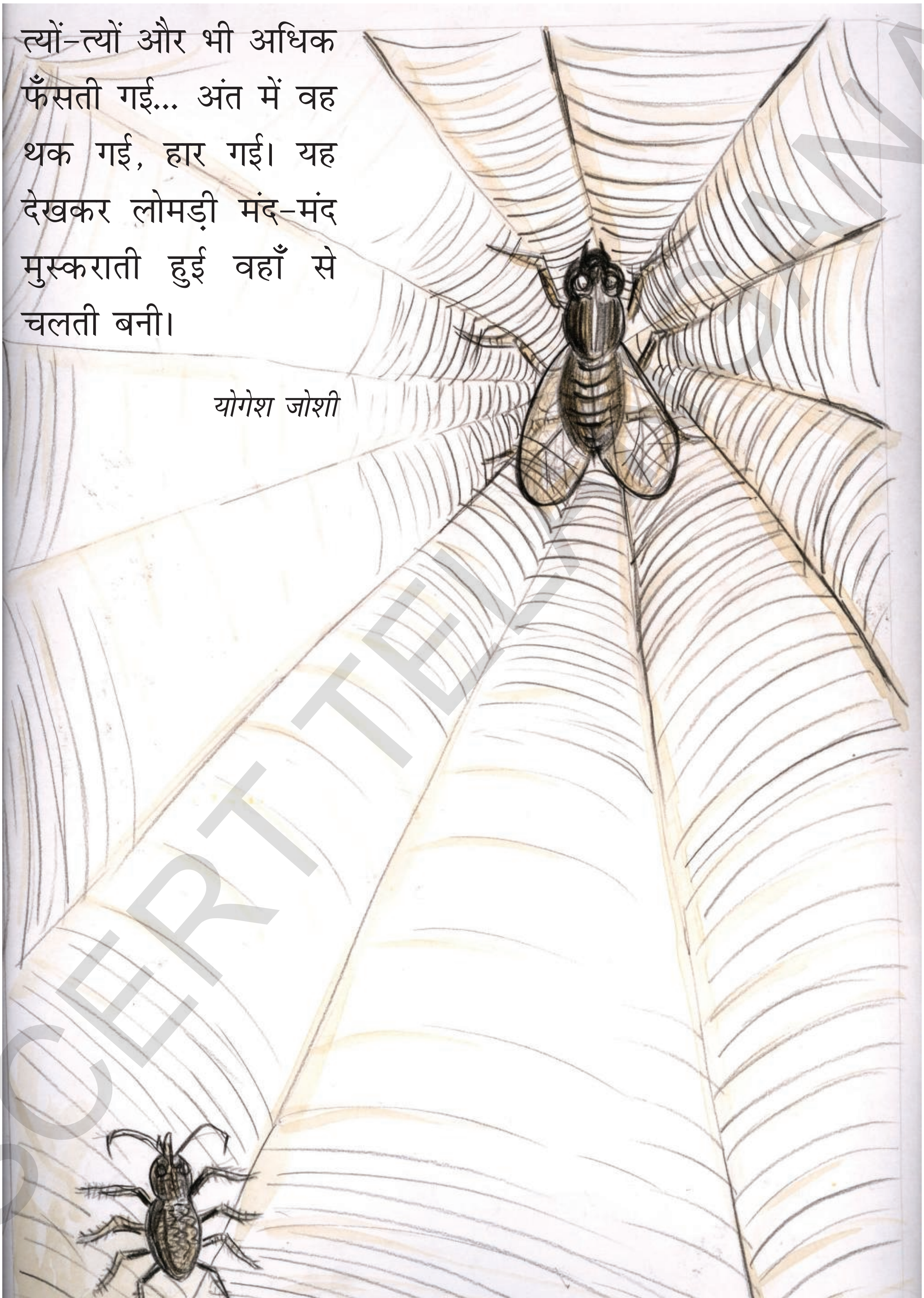

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. तुम्हें कहानी में कौन सबसे अच्छा लगा और क्यों?
2. मक्खी मकड़ी के जाल में फस गयी थी। आगे क्या हुआ होगा?
3. इस कहानी के क्या–क्या नाम हो सकते हैं?
4. आप चुटकी बजाकर क्या–क्या काम कर सकते हैं?

पढ़िए

1. वाक्य पढ़िए और बताइए कि किसने किससे कहा?
   1. चुप होजा वरना अभी... (   )
   2. हिम्मत हो तो आ जाओ (   )
   3. धन्य हो मक्खी रानी धन्य हो! (   )
   4. अरे हाथी मुझे प्रणाम कर (   )
2. कहानी पढ़िए और उचित शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

   घमंडी................डरपोक..................चतुर..................सबसे चतुर............समझदार..............आलसी

लिखिए

1. शेर ने भोजन में क्या खाया होगा?
2. शेर तो भोजन करके आराम कर रहा था। आप खाना खाकर क्या करते हैं ?
3. शेर की जगह आप होते तो क्या करते? अपने शब्दों में लिखिए।

   सुबह....................................

   दोपहर..................................

   रात.....................................

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

रेखांकित शब्दों के विलोम लिखिए और उनसे वाक्य बनाइए।

1. शेर को बहुत मुश्किल से नींद आयी थी।

....

2. मैं हारा और तुम जीती।

....

3. मक्खी ने धीरे से कहा।

....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- पाठ के आधार पर पात्रों का पात्राभिनय कक्षा में करो।

प्रशंसा

- पाठ में घमंडी मक्खी के बारे में बताया गया है। घमंड न करने से क्या-क्या लाभ हैं?

भाषा की बात

निम्न मुहावरों का अर्थ लिखिए।

1. आग बबूला होना
2. खबर लेना
3. चुटकी बजाना
4. शोभा न देना
5. मंद-मंद मुस्काना

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

■ मकड़ी को सबसे ज्यादा जाल मिलने वाला रास्ता बताइए।

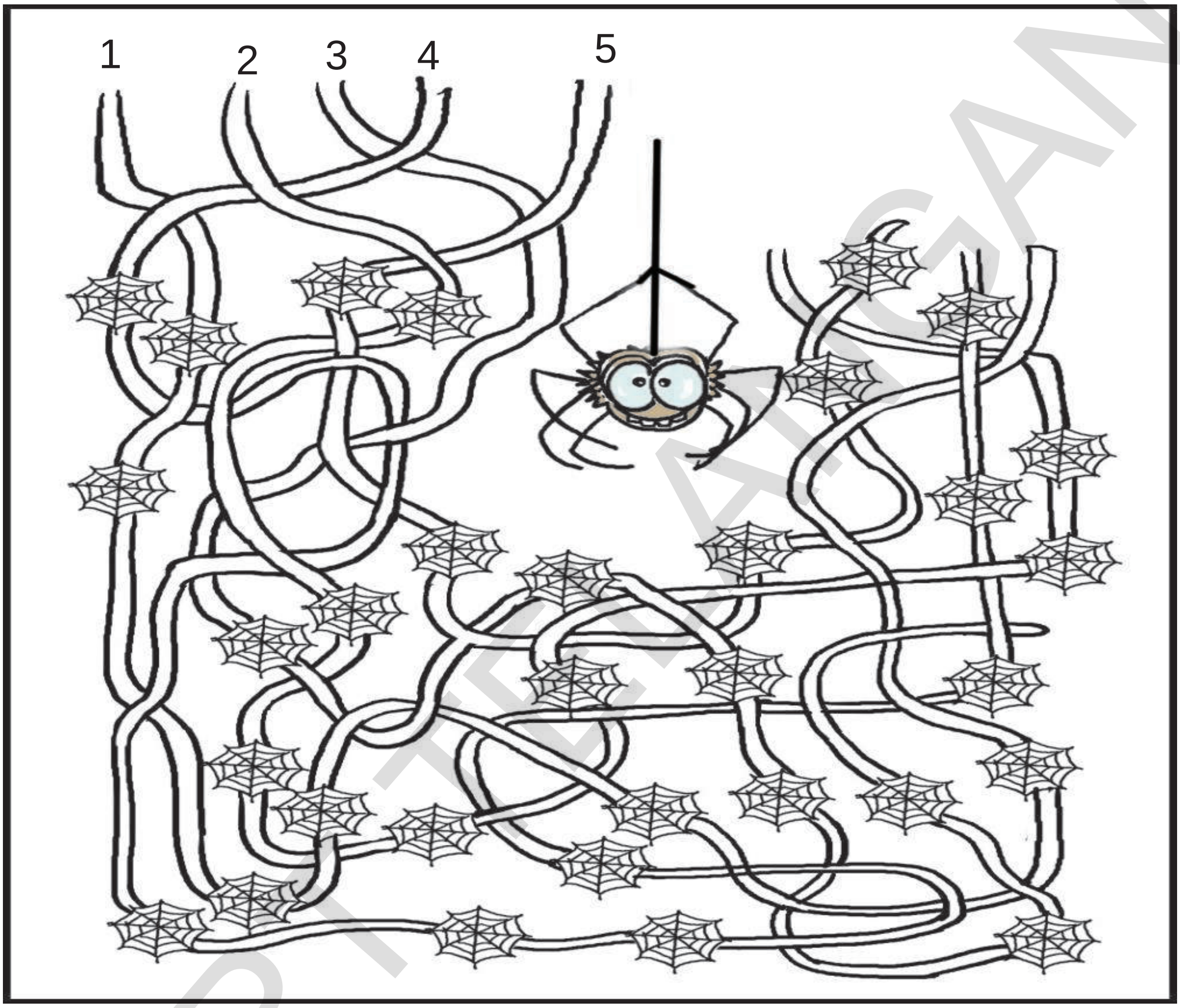

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/**सकती** हूँ। भाव बता सकता/**सकती** हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/**सकती** हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/**सकती** हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/**सकती** हूँ।		
5. पाठ के आधार पर पात्राभिनय कर सकता/**सकती** हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई - I

3. चाँद वाली अम्मा

प्रश्न :

1. चित्र में क्या–क्या दिखायी दे रहा है?
2. आकाश में कौन किससे बात क्या कर रहा है?
3. अगर आपको इनसे बात करने का मौका मिलता है तो आप क्या बात करेंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा पढ़िए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

तुम शरारत तो करती ही होगी? कौन-कौन सी शरारत करती हो?
इन चीज़ों का इस्तेमाल तुम कोई शरारत करने के लिए कैसे करोगी?

झाड़ू पंख कागज़ गुब्बारा

बहुत समय पहले की बात है। एक बूढ़ी अम्मा थी। बिल्कुल अकेली! उसका अपना कोई न था। घर का कामकाज उसे खुद ही करना पड़ता। सुबह उठकर कुएँ से पानी लाना, खाना बनाना आदि। उसके साथ एक

SCERT TELANGANA

परेशानी थी। वह रोज़ सुबह उठकर जब घर में झाड़ू लगाती तब तक तो सब ठीक रहता पर जैसे ही वह आँगन में जाती और झाड़ू लगाने के लिए झुकती, तभी आसमान आकर उसकी कमर से टकराता।

अम्मा उसे घूरकर देखती तो वह थोड़ा हट जाता। फिर वह जैसे ही दुबारा झुकती, आसमान फिर अपनी हरकत दोहराता।

एक दिन, दो दिन, तीन दिन। लगातार यही क्रम चलता रहा। अम्मा

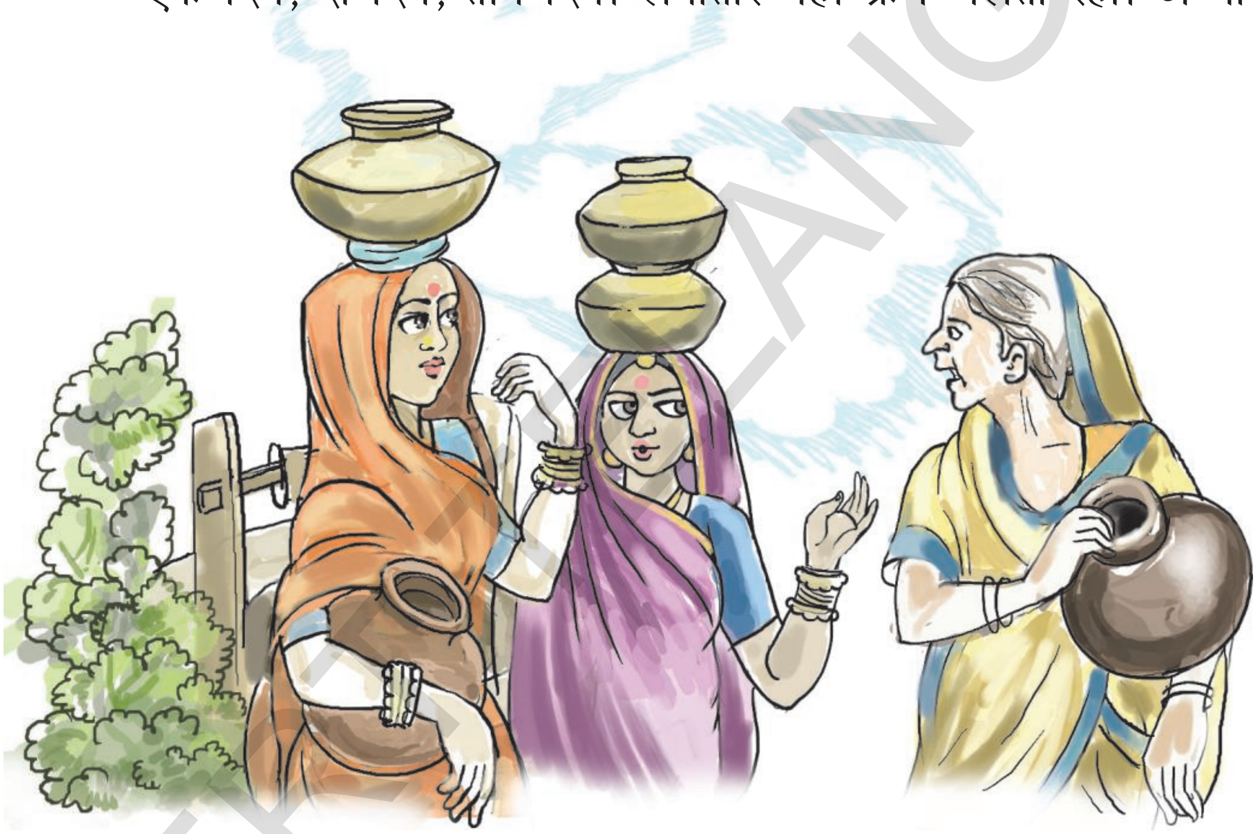

झाड़ू लगाए और आसमान उसे तंग करे।

एक दिन कुएँ पर पानी भरने को लेकर अम्मा का किसी और से झगड़ा हो गया। अम्मा ज़रा गुस्से में थी। वह झाड़ू उठाकर आँगन में गई और जैसे ही झुकी, आसमान ने अपनी आदत के अनुसार उसे फिर छेड़ा।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

अम्मा ने आव देखा न ताव और कसकर एक झाड़ू आसमान को दे मारी। आसमान झट हट गया। पर वह भी अपनी आदत से मजबूर था। दूसरी बार फिर अम्मा के झुकते ही टक्कर मारने लगा। अम्मा ने फिर पूरी ताकत से उस पर वार किया।

SCERT TELANGANA

आसमान को शरारत सूझी। इस बार उसने झाड़ू पकड़ ली। उधर अम्मा भी झाड़ू पकड़े थी। रस्साकशी शुरू हो गई। झाड़ू का ऊपर वाला हिस्सा आसमान पकड़े हुए था तो नीचे वाला अम्मा, दोनों छोड़ने को तैयार नहीं थे। अम्मा चिल्लाई – छोड़ मेरा झाड़ू ! मेरे पास एक यही झाड़ू है।

तब भी आसमान ने नहीं छोड़ा। बूढ़ी अम्मा कब तक रस्साकशी करती ...... थक गई।

आसमान ने झाड़ू खींचना नहीं छोड़ा। अब वह झाड़ू के साथ ऊपर उठने लगा। उसके साथ-साथ झाड़ू पकड़े हए अम्मा भी ऊपर जाने लगी। वह चिल्लाई –

मुझे नीचे छोड़ दे!

आसमान ने कहा – अम्मा, अब मैं तुम्हें नहीं छोड़ूँगा। ले चलूँगा

SCERT TELANGANA

ऊपर। वहीं झाड़ू लगाना।

अम्मा अब झाड़ू नहीं छोड़ सकती थी, क्योंकि वह बहुत ऊपर पहुँच चुकी थी। तभी उसे वहाँ चाँद दिख गया। झट अम्मा ने पैर बढ़ाया और चाँद पर चढ़ गई, पर झाड़ू नहीं छोड़ी। आसमान को फिर शरारत सूझी। उसने सोचा – अम्मा तो चाँद पर चढ़ गई है। यदि चाँद उसकी मदद करेगा तो मैं हार जाऊँगा। इसे यहीं रहने दूँ।

ऐसा सोचकर उसने झाड़ू छोड़ दिया। अम्मा झाड़ू सहित चाँद पर रह गई। वह इतनी थक गई थी कि झाड़ू पकड़े-पकड़े ही चाँद पर बैठ गई। आसमान ऊपर चला गया। उस दिन से आज तक बूढ़ी अम्मा झाड़ू पकड़े चाँद पर बैठी है।

तारा निगम

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

- बूढ़ी अम्मा चाँद पर क्यों चढ़ गई होगीं?
- चाँद वाली अम्मा झाड़ू क्यों नहीं छोड़ना चाहती थीं?
- चित्रों को देखकर बताइए कि अम्मा के साथ कौन–कौन रहता होगा?
- आसमान बार–बार आकर अम्मा की कमर से क्यों टकराता था? आपको क्या लगता है?

पढ़िए

1. अम्मा रोज सुबह क्या काम करती थी?
2. क्या अम्मा अपना काम खुद करती थी? क्यों?
3. अम्मा का किसके साथ झगड़ा हुआ?

लिखिए

1. अम्मा झाड़ू लगाती तो आसमान को क्या शरारत सूझती?
2. अम्मा ने आसमान के शरारत का जवाब **कैसे** दिया और क्यों ?
3. अम्मा ने आसमान से बचने के लिए क्या किया? अम्मा की जगह **आप** होते तो क्या करते?
4. **अम्मा उसे घूरकर देखती तो आसमान थोड़ा हट जाता।**

   कब–कब ऐसा होता है जब आपको कोई घूरकर देखता है।

   जैसे : मेरा दोस्त मुझे घूरकर देखता है जब मैं उसका मज़ाक उड़ाता हूँ।

   मेरे पिता ....

   मेरे शिक्षक ....

   मेरी बहन / मेरा भाई ....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

पाठ के आधार पर पाँच उ – ु और ऊ – ू मात्रा के शब्दों को चुनकर लिखिए।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- चाँद के बारे में एक कहानी बताइए।

प्रशंसा

- रात के समय चंद्रमा अपने प्रकाश से जग को चमकाता है। उसके इस कार्य पर अपने विचार लिखिए।

भाषा की बात

- इस कहानी में नाम वाले और काम वाले कई शब्द आए हैं। उन्हें छाँटकर नीचे तालिका में लिखिए।

नाम वाले शब्द	काम वाले शब्द
झाड़ू	वार किया
....	....
....	....
....	....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर चाँदवाली अम्मा पर छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

SCERT TELANGANA

सूरज और चाँद ऊपर क्यों गए?

पढ़िए - आनंद लीजिए

बहुत समय पहले सूरज और चाँद ज़मीन पर रहते थे। पानी उनका अच्छा दोस्त था और वे अक्सर उससे मिलने आते थे। लेकिन पानी कभी उनके घर नहीं जाता था।

एक दिन सूरज ने पानी से पूछा – तुम कभी हमसे मिलने क्यों नहीं आते?

पानी बोला – मेरे बहुत सारे दोस्त हैं। यदि मैं तुम्हारे घर आऊँ तो वे भी मेरे साथ आएँगे। उन सबके लिए तुम्हारे घर में जगह नहीं होगी। सूरज ने कहा – मैं एक बहुत बड़ा नया घर बनाऊँगा।

सूरज ने सचमुच एक नया घर बनाया जो बहुत बड़ा था। उसने पानी को इस नए घर में बुलाया। पानी तरह-तरह की मछलियों और उनके साथ रहने वाले दूसरे जानवरों के साथ सूरज के घर पहुँचा।

पानी ने बाहर खड़े होकर पूछा – मैं अपने दोस्तों के साथ अंदर आ जाऊँ?

सूरज ने कहा – हाँ, हाँ, आ जाओ।

पानी अंदर आया और कुछ ही देर में सूरज के घर में घुटनों तक पानी भर गया। देखते ही देखते पानी सिर तक पहुँच गया। मछलियाँ और पानी के तमाम जानवर सूरज के घर में इधर-उधर घूमने लगे। अंत में पानी इतना ऊँचा हो गया कि सूरज और चाँद को छत पर जाकर बैठना पड़ा लेकिन थोड़ी ही देर में पानी छत पर आ पहुँचा। अब सूरज और चाँद क्या करते? कहाँ बैठते? वे भागकर आसमान पर पहुँचे। आसमान उन्हें इतना पसंद आया कि वे वहीं रहने लगे।

SCERT TELANGANA

इकाई - I

4. मन करता है

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. अनुमान लगाइए कि बच्चा क्या सोच रहा होगा?
3. अनुमान लगाइए कि चिड़िया क्या कहना चाहती है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

मन करता है सूरज बनकर
आसमान में दौड़ लगाऊँ।
मन करता है चंदा बनकर
सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।

मन करता है बाबा बनकर
घर में सब पर धौंस जमाऊँ।
मन करता है पापा बनकर
मैं भी अपनी मूँछ बढ़ाऊँ।

मन करता है तितली बनकर
दूर-दूर तक उड़ता जाऊँ।
मन करता है कोयल बनकर
मीठे-मीठे बोल सुनाऊँ।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं-चीं चूँ-चूँ शोर मचाऊँ।
मन करता है चर्खी लेकर
पीली-लाल पतंग उड़ाऊँ।

सुरेंद्र विक्रम

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. आपका मन क्या–क्या करने को कहता है?

2. आप अपने घर में किसकी नकल करना पसंद करते हो?

3. ऐसे दो काम बताइए जो आप कर सकते है मगर बड़े नहीं?

4. चिड़ियाँ शोर क्यों मचाती होंगी?

पढ़िए

1. कौन क्या करता है, जोड़ी बनाइए।

सूरज	दूर–दूर तक उड़ती है।
चाँद	मीठे गीत सुनाती है।
तितली	आसमान में दौड़ लगाता है।
कोयल	शोर मचाती है।
चिड़िया	तारों पर अकड़ दिखाता है।

2. बच्चे का मन क्या–क्या बनने को कहता है? कविता के आधार पर लिखिए।

लिखिए

1. आपका मन क्या–क्या नहीं करने को कहता है?

2. बड़ों का मन क्या–क्या करने को करता होगा?

शब्द भंडार

1 एक मिनट के लिए आँखें बंद करके बिल्कुल चुपचाप बैठ जाइए। ध्यान से आसपास की आवाज़ें सुनिए।

- अब आँखें खोलिए। क्या याद है, आपने किस–किस की आवाज़ सुनी? नीचे उनके नाम लिखिए।

SCERT TELANGANA

....

- इनमें से कौन-कौन बहुत शोर मचा रहे थे?

....

....

....

....

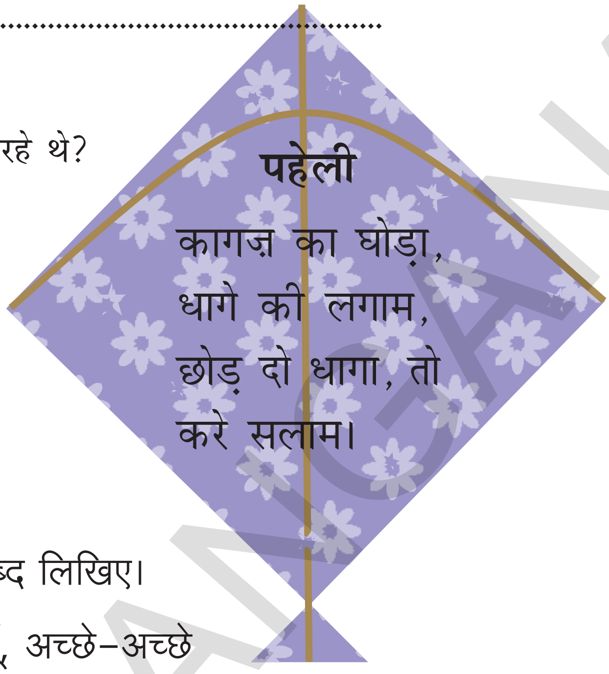

पहेली

कागज़ का घोड़ा,
धागे की लगाम,
छोड़ दो धागा, तो
करे सलाम।

2. इन शब्दों को समझिए और ऐसे पाँच शब्द लिखिए।

दूर-दूर, मीठे-मीठे, चीं-चीं, चूँ-चूँ, अच्छे-अच्छे

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

कविता आगे बढ़ाइए।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं-चीं चूँ-चूँ शोर मचाऊँ।
मन करता है चर्खी लेकर
पीली-लाल पतंग उड़ाऊँ।
मन करता है पेड़ बनकर
....
मन करता है फूल बनकर
....
....
....

SCERT TELANGANA

प्रशंसा

■ अच्छी भावनाओं से जीवन सफल होता है। ऐसी कौनसी भावनाएँ हैं जो **आपको** पसंद हैं?

भाषा की बात

1. रिक्त स्थान सही शब्दों से भरिए। जैसे घोड़े की तरह **दौड़ लगाऊँ।**

क. हवाई जहाज की तरह ....।

ख. कोयल की तरह ....।

ग. मछली की तरह ....।

घ. मोर की तरह ....।

परियोजना कार्य

चलिए, पतंग बनाएँ

सामान – *आपको चाहिए कोई पतला कागज़, झाड़ू की तीलियाँ, गोंद, टेप, कैंची।*

तरीका –

- कागज़ को चौकोर काटिए।

- उसमें गोंद या टेप से दो तीलियाँ चिपका लीजिए, जैसा चित्र में दिखाया गया है।

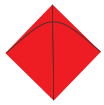

- तीली के निचले हिस्से में पूँछ के लिए एक तिकोना टुकड़ा काटकर चिपका दीजिए।

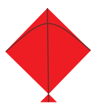

- पतंग तैयार है।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

इकाई - II

5. बहादुर बित्तो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या–क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़की क्या–क्या कर रही है? बताइए।
3. लड़की ने रेल रोकने का प्रयास क्यों किया होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

एक किसान था। उसकी बीवी का नाम था – बित्तो। एक दिन किसान ने बित्तो से कहा – सुबह जब मैं खेत में हल चला रहा था तो एक शेर ने आकर कहा – किसान-किसान! अपना बैल मुझे दे दे वरना मैं तुझे खा जाऊँगा।

बित्तो ने उससे पूछा – तूने क्या जवाब दिया?

किसान ने कहा – मैंने कहा, तू यहीं रुक, मैं घर जाकर अपनी गाय ले आता हूँ। अगर तू बैल खा लेगा तो हम लोग भूखों मर जाएँगे।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

यह सुनकर बित्तो को बहुत गुस्सा आया। उसने किसान को फटकारा– घर की गाय शेर को खिलाते तुझे शर्म नहीं आती? अगर गाय चली गई तो घर में न दूध, न लस्सी। बच्चे रोटी किस चीज़ के साथ खाएँगे?

बित्तो को एक तरकीब सूझी। उसने कहा – तुम फ़ौरन खेत में जाकर शेर से कहो कि मेरी बित्तो तुम्हारे खाने के लिए एक घोड़ा लेकर आ रही है।

किसान डरता-डरता शेर के पास गया। उसने कहा – शेर राजा! हमारी गाय तो बड़ी मरियल है। उससे तुम्हारा क्या बनेगा! मेरी बीवी अभी तुम्हारे लिए एक मोटा-ताज़ा घोड़ा लेकर आ रही है।

बित्तो ने सिर पर एक बड़ा-सा पग्गड़ बाँधा और हाथ में दराँती लेकर

SCERT TELANGANA

घोड़े पर सवार हो गई। घोड़ा दौड़ाती वह खेत पर पहुँची और ज़ोर से चिल्लाई – अरे किसान! तू तो कहता था कि तूने चार शेरों को फाँस कर रखा है। यहाँ तो सिर्फ़ एक ही है। बाकी कहाँ गए? फिर वह घोड़े से उतरकर शेर की तरफ़ बढ़ी और कहने लगी – अच्छा, कोई बात नहीं, नाश्ते में एक ही शेर काफ़ी है।

इतना सुनना था कि शेर डर के मारे काँपने लगा और भाग खड़ा हुआ।

यह देखकर बित्तो बोली – देखा, इसे कहते हैं हिम्मत! तुम तो इतने डरपोक हो कि घर की गाय शेर के हवाले कर रहे थे।

उधर मारे भूख के शेर की आँतें छटपटा रही थीं। एक भेड़िए ने पूछा – महाराज, क्या मामला है? आप आज बहुत उदास दिखाई दे रहे हैं!

शेर ने कहा – कुछ न पूछो, आज मुश्किल से जान बची है। आज एक ऐसी राक्षसी से पाला पड़ गया जो रोज़ सुबह चार शेरों का नाश्ता करती है।

यह सुनकर भेड़िया बहुत हँसा। वह सुबह झाड़ी में छिपकर सारा तमाशा देख रहा था। उसने कहा – भोले बादशाह! वह तो बित्तो थी, जिसे आपने राक्षसी समझ लिया था। आप इस बार फिर कोशिश करके देखिए। अगर बैल आपके हाथ न आए तो मेरा नाम भेड़िया नहीं।

बहुत कहने-सुनने पर शेर किसान के खेत में जाने के लिए तैयार हो गया। लेकिन उसने भेड़िए से कहा – तुम अपनी पूँछ मेरी पूँछ से बाँध लो।

दोनों जने पूँछ बाँधकर चल पड़े। उन्हें देखते ही किसान के होश-हवास गुम हो गए। वह डर से थर-थर काँपने लगा। लेकिन बित्तो बिल्कुल नहीं

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

घबराई। भेड़िए के पास जाकर उसने कहा – क्यों रे भेड़िए, तू तो अभी वादा करके गया था कि तू अपनी पूँछ से चार शेर बाँधकर लाएगा! लेकिन तू तो सिर्फ़ एक ही शेर लाया है! वह भी मरियल-सा! भला इसे खाकर मेरी भूख मिट सकती है? खैर, इस वक्त यही सही। इतना कहकर बित्तो आगे बढ़ी।

शेर के होश-हवास उड़ गए। उसने समझा कि भेड़िए ने उसके साथ धोखा किया है। वह फ़ौरन वहाँ से भागा। भेड़िया बहुत चीखा-चिल्लाया, लेकिन शेर ने एक न सुनी। तेज़ी से भागता चला गया।

किसान और बित्तो आराम से रहने लगे। उन्हें मालूम था कि अब शेर उनके खेत की तरफ़ फिर कभी नहीं आएगा।

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. भेड़िए ने शेर को **भोले महाराज** क्यों कहा? क्या शेर सचमुच भोला था?
2. शेर ने भेड़िए की पूँछ के साथ अपनी पूँछ क्यों बाँध ली?
3. क्या शेर फिर कभी बित्तो के खेत की तरफ़ गया होगा? हाँ, तो क्यों? नहीं, तो क्यों?
4. बित्तो की हिम्मत आपको कैसी लगी? अगर आप बित्तो की जगह होते तो शेर से कैसे निपटते?

पढ़िए

1. किसान ने बित्तो से क्या कहा?

2. कहानी में आपने दराँती का चित्र देखा। नीचे ऐसे ही कुछ और शब्द दिए गए हैं। उन्हें ढूँढ़कर लिखिए।

कि	उ	स	बो	त	ल	क्ष	खा	ता	ज्ञ
सा	आ	म	रा	जा	ता	य	ना	ला	ख
न	री	छ	नू	प	था	जू	है	ब	र
सु	त	ली	थ	क	प	ता	न	चा	गो
प	शे	र	ल	रे	उ	ला	गा	र	श
चू	ह	स	च	ला	ड़ी	प	ज	ग	य
हा	ल	आ	पा	से	खा	ती	र	च	प
थ	थी	ती	र	छ	घ	रा	जू	ल	ब
नी	द	राँ	ती	ल	र	ब	हो	ती	ज
प	ग	ड़ी	ग	नी	दि	ख	ती	स	ती

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

लिखिए

1. अगर आप शेर की जगह होते तो क्या करते?
2. अगर आप बित्तो की जगह होते तो शेर से कैसे निपटते?
3. **नीचे दिए गए शब्दों को सही तालिका में लिखिए।**

   किसान, बोतल, लता, कक्कू, केला, कलम, राजू, रानू, चूहा, नीना, शेर, जूता, चारपाई, पगड़ी, खरगोश, करेला, छलनी, बित्तो, घोड़ा, गौरैया, बाल्टी, पीपल, कोयल, नीम, किताब, दराँती

जानवर	चीज़ें	नाम

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

शेर जंगल पर राज करता था।

मेरा राज़ किसी से न कहना।

राज और राज़ को बोलकर देखो।

दोनों के बोलने में फ़र्क है न?

- कहानी में से ऐसे ही **ज़** पर लगे नुक्ते वाले शब्द ढूँढ़िए।

  ....

- अब अपने मन से सोचकर **ज़** पर लगे नुक्ते वाले पाँच शब्द लिखिए।

  ....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

शेर ने बित्तो को राक्षसी समझ लिया। वह खेत में नहीं जाना चाहता था पर भेड़िए के समझाने पर वह राज़ी हो गया। सोचिए, शेर और भेड़िए के बीच क्या बातचीत हुई होगी?

शेर – भेड़िए, तुम क्यों हँस रहे हो?

भेड़िया – महाराज, वह तो ....

शेर – नहीं नहीं। वह सचमुच राक्षसी थी।

भेड़िया – मैंने अपनी आँखों से देखा है महाराज। वह ....

....

शेर – ....

भेड़िया – ....

शेर – ठीक है ....।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

प्रशंसा

- **अभी तक पाठ में तुमने पढ़ा कि बित्तो ने अपने साहस के बल पर किस तरह से शेर को मज़ा चखाया। अब आप बित्तो की प्रशंसा करते हुए दस वाक्य लिखिए।**

भाषा की बात

खाली जगह में क्या आएगा?

- मेरी छत पर मोर आया।
- मेरी छत पर मोरनी आई।

मोर–मोरनी की तरह नीचे लिखे शब्दों के भी रूप बदलिए।

शेर – .... मछुआरा – ....

बच्चा – .... राजा – ....

घोड़ा – ....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

मूस की मज़दूरी

पढ़िए - आनंद लीजिए

नागा लोककथा

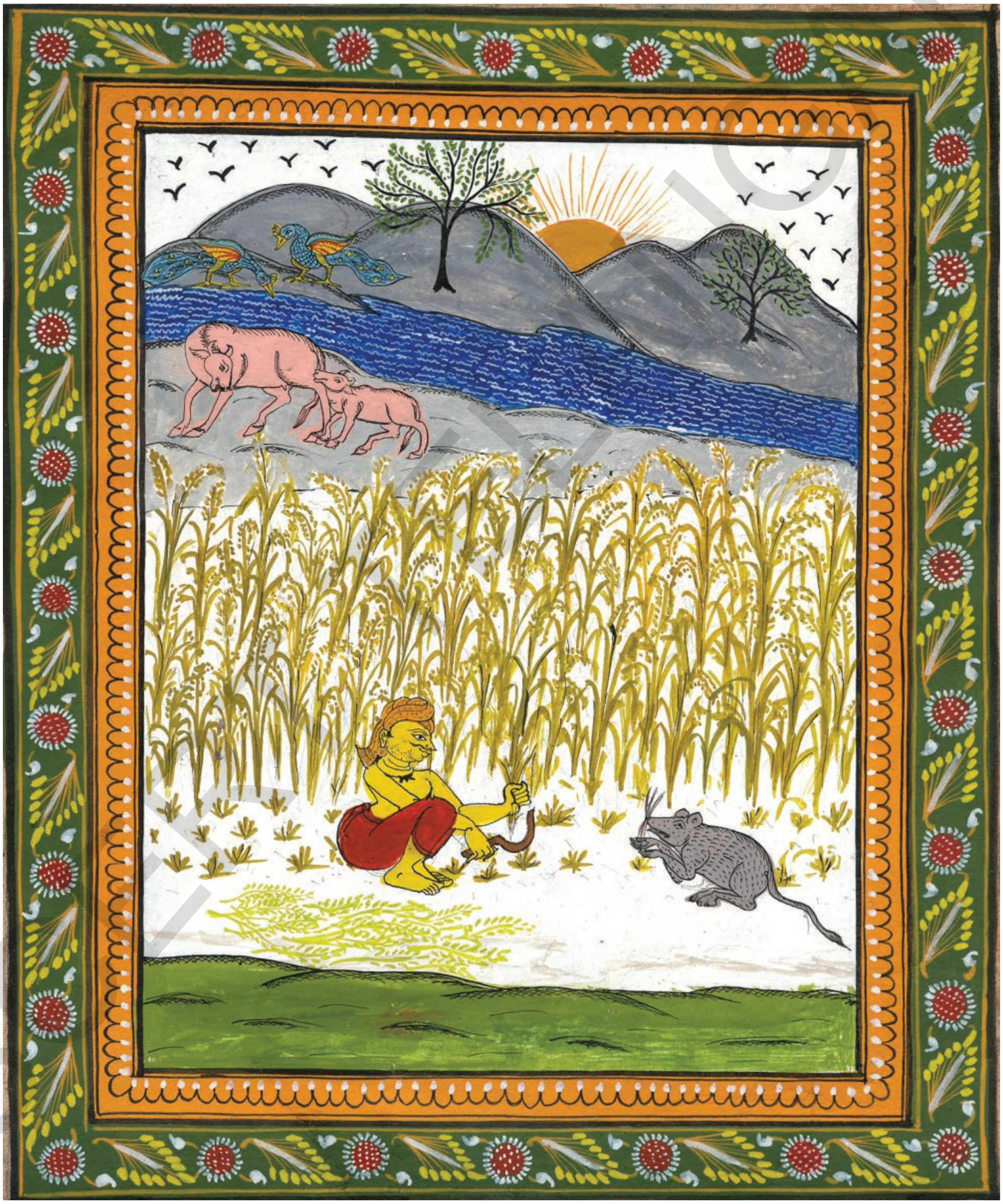

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

बहुत समय पहले की बात है। उस समय आदमी के पास धान नहीं था। सबसे पहले आदमी ने धान का पौधा एक पोखरी के बीच में देखा। धान की बालियाँ झूम-झूमकर जैसे आदमी को बुला रही थीं। पर गहरे पानी के कारण धान तक पहुँचना कठिन था।

आदमी सोचता हुआ खड़ा ही था कि वहीं पर एक मूस दिखलाई पड़ा। आदमी ने मूस को पास बुलाया और कहा –

मूस भाई, पोखरी के बीच में देखो उन धान की प्यारी बालियों को, झूम-झूम कर वे मुझे बुला रही हैं लेकिन पानी गहरा है। यदि तुम उन्हें हमारे लिए ला दो, तो हम तुम्हें मेहनताने का हिस्सा दे देंगे।

मूस को भला क्या एतराज़ था! वह सरसर तैर गया और बालियों को दाँतों से कुतर-कुतर कर किनारे पर लाने लगा। थोड़ी-ही देर में किनारे पर धान की बालियों का ढेर बन गया।

तब आदमी ने प्रसन्न होकर कहा – मूस भाई, अब इसमें से अपनी मज़दूरी का हिस्सा तुम स्वयँ ले लो।

पर मूस ने कहा – भाई मेरे, मैं ठहरा छोटा जीव। मेरा सिर भी है छोटा। अपना हिस्सा इस छोटे से सिर पर ढोकर कैसे ले जाऊँगा? इसलिए अच्छा तो यह होगा कि तुम यह पूरा धान अपने घर ले जाओ और मैं तुम्हारे घर पर ही आकर अपने हिस्से का थोड़ा धान खा लिया करूँगा।

SCERT TELANGANA

आदमी ने ऐसा ही किया और तभी से मूस आदमी के घर धान खाता चला आ रहा है।

रामनंदन

SCERT TELANGANA

इकाई - II

6. हमसे सब कहते

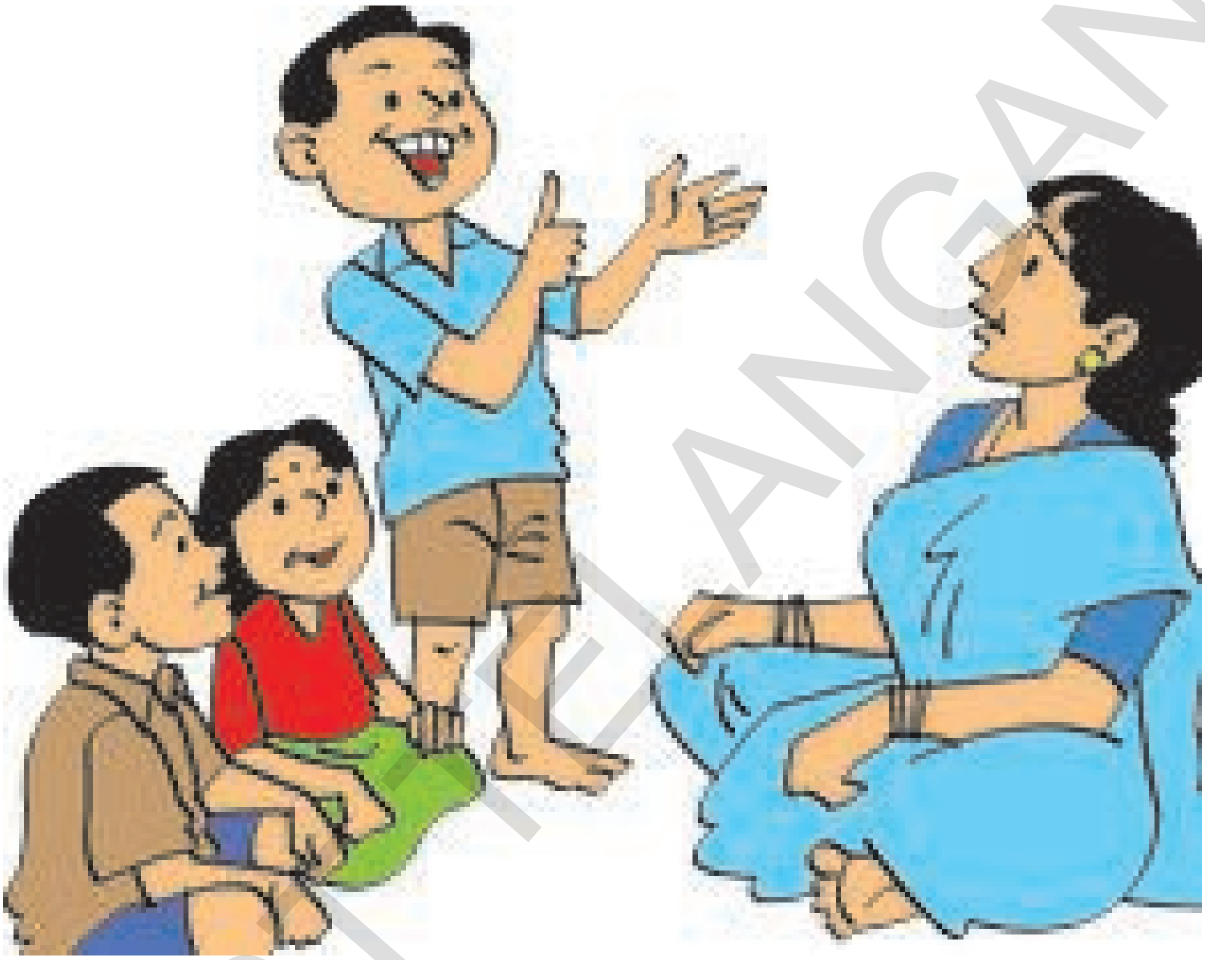

प्रश्न :

1. चित्र में कौन-कौन दिखायी दे रहे हैं?
2. बच्चा अध्यापिका को क्या बता रहा होगा?
3. आपसे आपको घर के बड़े लोग क्या-क्या नहीं करने को कहते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

नहीं सूर्य से कहता कोई
धूप यहाँ पर मत फैलाओ,
कोई नहीं चाँद से कहता
उठा चाँदनी को ले जाओ।

कोई नहीं हवा से कहता
खबरदार जो अंदर आई,
बादल से कहता कब कोई
क्यों जलधार यहाँ बरसाई?

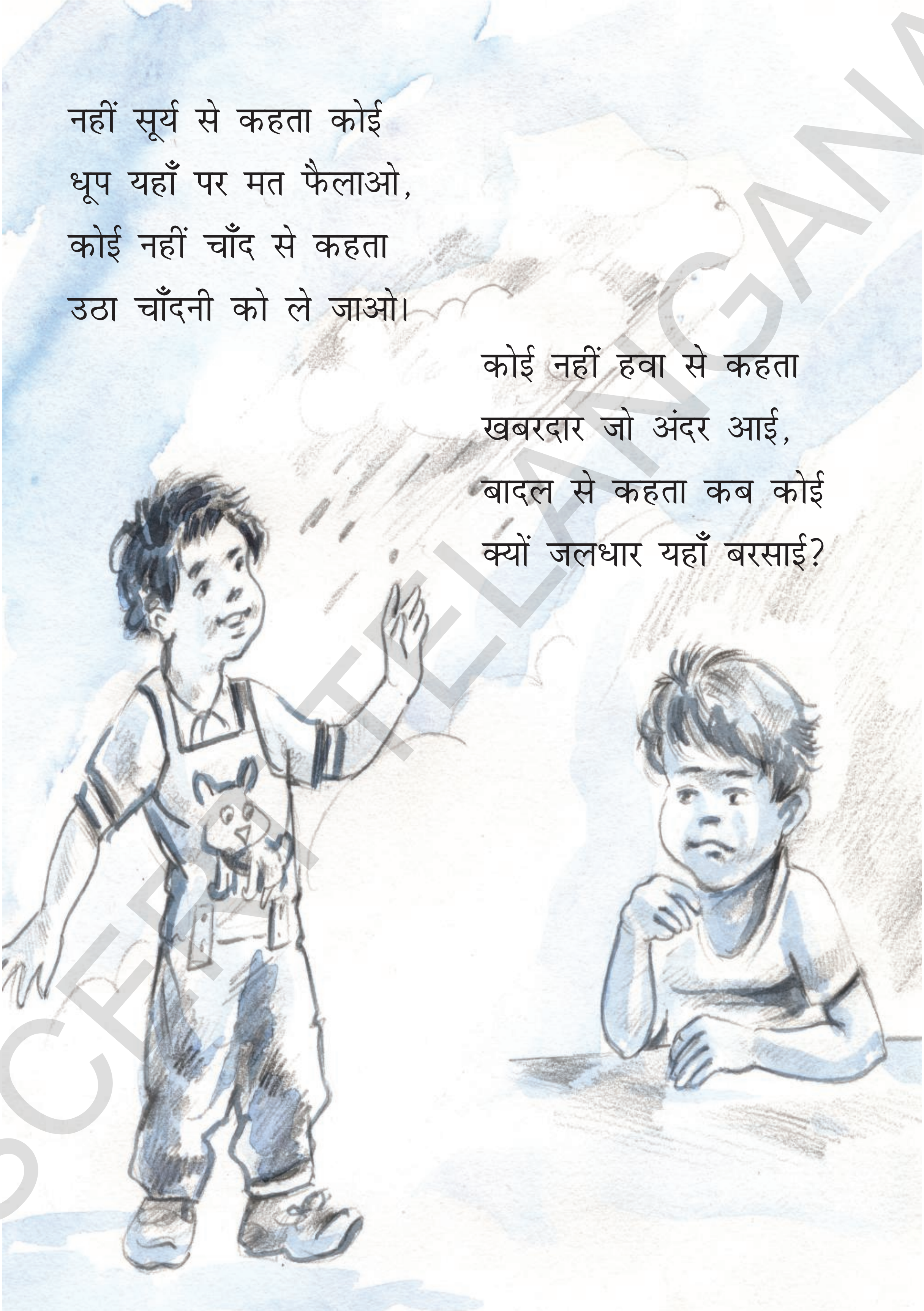

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

फिर क्यों हमसे भैया कहते
यहाँ न आओ, भागो जाओ,
अम्मा कहती हैं, घर-भर में
खेल-खिलौने मत फैलाओ।

पापा कहते बाहर खेलो,
खबरदार जो अंदर आए,
हम पर ही सबका बस चलता
जो चाहे वह डाँट बताए।

निरंकार देव सेवक

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. बच्चों को बड़ों के द्वारा किस प्रकार की डाँट डपट मिलती रहती है?

2. घर और पाठशाला में आपको क्या–क्या करने के लिए मना किया जाता है?

निम्न वाक्य पढ़िए और बताइए –

- सूरज चाँद की रोशनी को भगा देता है।
- बादल सूरज की रोशनी को भगा देता है।
- हवा बादल को भगा देती है। बताओ, कौन किससे ज़्यादा ताकतवर है?

पढ़िए

1. सूर्य, चाँद, हवा और बादल के बारे में पाठ में क्या बताया गया है?

2. अम्मा, पापा, भैया क्यों डाँटते रहते हैं?

लिखिए

पाठशाला और घर में आपको क्या–क्या करने के लिए कहा जाता है और क्या–क्या करने के लिए मना किया जाता है। नीचे वाली तालिका में लिखिए।

कीजिए	मत कीजिए
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

शब्द भंडार

'हमसे सब कहते' कविता में जिन लोगों, चीज़ों और जगहों के नाम आए हैं, उन्हें नीचे दी गई तालिका में लिखिए।

लोग	चीज़	जगह
....	....	....
....	....	....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- चाँद और बादलों का चित्र बनाइए। उसके बारे में लिखिए।

प्रशंसा

- बड़े लोग सदा हमारी भलाई के बारे में सोचते हैं। ऐसी कोई दस बातें बताइए।

भाषा की बात

- इस कविता में चाँद, डाँट जैसे शब्दों में अनुनासिक (चंद्र बिंदु) का प्रयोग हुआ है। ऐसे अन्य पाँच शब्द लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

यह कहानी आपने कई बार सुनी होगी।

- **कौआ और लोमड़ी**

एक बार एक कौए को एक रोटी मिली।

लोमड़ी ने सोचा क्यों न मैं इस कौए को मूर्ख बनाकर रोटी ले लूँ।

लोमड़ी बोली – ''कौए भाई तुम इतना अच्छा गाते हो! मुझे भी एक गाना सुनाओ।''

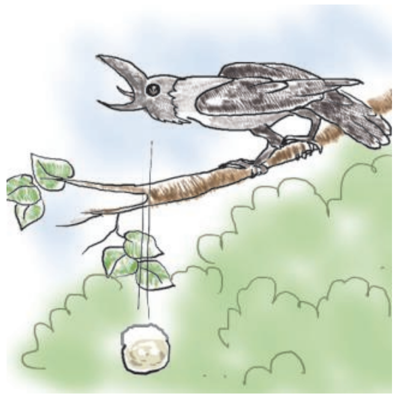

कौए ने जैसे ही गाने के लिए मुँह खोला, रोटी नीचे गिर गई।

लोमड़ी रोटी लेकर चली गई।

SCERT TELANGANA

आइए, अब इन्ही चित्रों से एक नई कहानी बनाएँ।

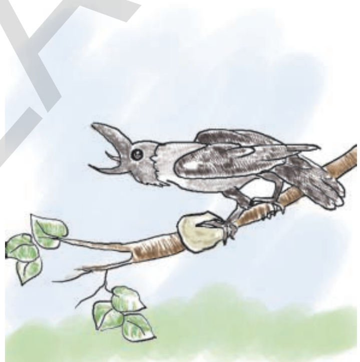

SCERT TELANGANA

इकाई - II

7. टिपटिपवा

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़का क्यों भाग रहा होगा?
3. बरसात के समय वातावरण कैसा होता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

एक थी बुढ़िया। उसका एक पोता था। पोता रोज़ रात में सोने से पहले दादी से कहानी सुनता। दादी रोज़ उसे तरह-तरह की कहानियाँ सुनाती।

एक दिन मूसलाधार बारिश हुई। ऐसी बारिश पहले कभी नहीं हुई थी। सारा गाँव बारिश से परेशान था। बुढ़िया की झोंपड़ी में पानी जगह-जगह से टपक रहा था – टिपटिप-टिपटिप। इस बात से बेखबर पोता दादी की गोद में लेटा कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। बुढ़िया खीझकर बोली – अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? ई टिपटिपवा से जान बचे तब न!

पोता उठकर बैठ गया। उसने पूछा – दादी, ये टिपटिपवा कौन है? टिपटिपवा क्या शेर-बाघ से भी बड़ा होता है?

दादी छत से टपकते हुए पानी की तरफ़ देखकर बोली – हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर त

SCERT TELANGANA

डर, टिपटिपवा के डर।

संयोग से मुसीबत का मारा एक बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे बैठा था। बेचारा बाघ बारिश से घबराया हुआ था। बुढ़िया की बात सुनते ही वह और डर गया।

अब यह टिपटिपवा कौन-सी बला है? ज़रूर यह कोई बड़ा जानवर है। तभी तो बुढ़िया शेर-बाघ से ज़्यादा टिपटिपवा से डरती है। इससे पहले कि बाहर आकर वह मुझ पर हमला करे, मुझे ही यहाँ से भाग जाना चाहिए।

बाघ ने ऐसा सोचा और झटपट वहाँ से दुम दबाकर भाग चला।

उसी गाँव में एक धोबी रहता था। वह भी बारिश से परेशान था। आज सुबह से उसका गधा गायब था। सारा दिन वह बारिश में भीगता रहा और जगह-जगह गधे को ढूँढ़ता रहा लेकिन वह कहीं नहीं मिला।

धोबी की पत्नी बोली – जाकर गाँव के पंडित जी से क्यों नहीं पूछते? वे बड़े

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

ज्ञानी हैं। आगे-पीछे, सबके हाल की उन्हें खबर रहती है।

पत्नी की बात धोबी को जँच गई। अपना मोटा लट्ठ उठाकर वह पंडित जी के घर की तरफ़ चल पड़ा। उसने देखा कि पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे ।

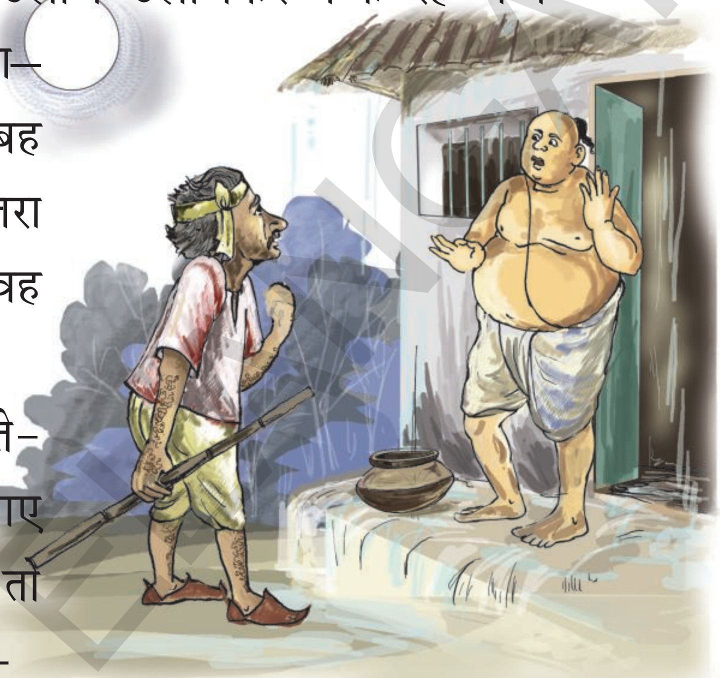

धोबी ने बेसब्री से पूछा– महाराज, मेरा गधा सुबह से नहीं मिल रहा है। ज़रा पोथी बाँचकर बताइए तो वह कहाँ है?

सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे। धोबी की बात सुनी तो झुँझला पड़े और बोले – मेरी पोथी में तेरे गधे का पता - ठिकाना लिखा है क्या, जो आ गया पूछने? अरे, जाकर ढूँढ़ उसे किसी गढ़ई-पोखर में।

और पंडित जी लगे फिर पानी उलीचने। धोबी वहाँ से चल दिया। चलते-चलते वह एक तालाब के पास पहुँचा। तालाब के किनारे ऊँची-ऊँची घास उग रही थी। धोबी घास में गधे को ढूँढ़ने लगा। किस्मत का मारा बेचारा बाघ टिपटिपवा के डर से वहीं घास में छिपा बैठा था। धोबी को लगा कि बाघ ही उसका गधा है। उसने आव देखा न ताव और लगा बाघ पर मोटा लट्ठ बरसाने। बेचारा बाघ इस अचानक हमले से एकदम घबरा गया।

SCERT E-VIDYA

बाघ ने मन ही मन सोचा – लगता है यही टिपटिपवा है। आखिर इसने मुझे ढूँढ़ ही लिया। अब अपनी जान बचानी है तो यह जो कहे, चुपचाप करते जाओ।

आज तूने बहुत परेशान किया है। मार-मारकर मैं तेरा कचूमर निकाल दूँगा – ऐसा कहकर धोबी ने बाघ का कान पकड़ा और उसे

खींचता हुआ घर की तरफ़ चल दिया। बाघ बिना चूँ-चपड़ किए भीगी बिल्ली बना धोबी के पीछे-पीछे चल दिया। घर पहुँचकर धोबी ने बाघ को खूँटे से बाँध दिया और सो गया।

सुबह जब गाँव वालों ने धोबी के घर के बाहर खूँटे से एक बाघ को बँधे देखा तो उनकी आँखें खुली की खुली रह गईं।

गिरिजा रानी अस्थाना

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. बारिश आपको को कैसी लगती है और आप बारिश में कौन–कौन से खेल खेलते हैं?

2. कुछ जानवरों के नाम बताइए। आपको कौनसा जानवर सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

पढ़िए

कौन-किससे परेशान?

इस कहानी में लगता है सभी परेशान थे। बताइए कौन–किससे परेशान था?

.... – ....

.... – ....

.... – ....

.... – ....

लिखिए

याद कीजिए

पोता दादी की गोद में कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। आप किन-किन चीज़ों के लिए मचलते है?

मैं ....

....

....

....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

नीचे कहानी में से कुछ वाक्य दिए गए हैं। इन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

- टिपटिपवा कौन-सी बला है?

  ....

- पत्नी की बात धोबी को जँच गई।

  ....

- बाघ **बिना चूँ-चपड़ किए भीगी बिल्ली** बना धोबी के पीछे-पीछे चल दिया।

  ....

- ज़रा पोथी बाँच कर बताइए वह कहाँ है?

  ....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

यह कहानी एक ऐसे दिन की है जब मूसलधार बारिश हो रही थी। अगर मूसलधार बारिश की बजाए बूँदा-बाँदी होती, तो क्या होता?

यदि उस रात बूँदा-बाँदी होती तो

....

....

प्रशंसा

आज धीरे-धीरे लोककथाएँ लुप्त होती जा रही हैं। इसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

....

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

भाषा की बात

एक से ज़्यादा

एक कहानी – सभी कहानियाँ

एक तितली – कई ....

एक .... – दस ....

एक चूड़ी – ढेरों ....

एक खिड़की – चार ....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई - III

8. बंदर–बाँट

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. बंदर क्या कर रहे हैं?
3. लड़की घंटा लेकर क्यों भाग रही होगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

स्थान : खुली जगह या कोई बड़ा कमरा।

पात्र : एक बंदर और दो बिल्लियाँ। सात-आठ बरस का लड़का बंदर और पाँच-छह बरस की लड़कियाँ बिल्ली बन सकती हैं।

बंदर के लिए पोशाक : पीला चूड़ीदार पाजामा, कुर्ता और दुपट्टा, जो कमर में पूँछ-सी निकालकर बाँधा जा सकता है। मुँह पर लगाने के लिए बंदर का चेहरा जिसमें आँखों और मुँह की जगह छेद हों।

बिल्लियों के लिए पोशाक : काली सफ़ेद सलवारें, कमीज़ें, दुपट्टे जो कमर में पूँछ-सी निकालकर बाँधे जा सकते हैं। मुँह पर लगाने के लिए काली-सफ़ेद बिल्लियों के चेहरे जिनमें आँखों और मुँह की जगह बड़े छेद हों जिनसे देखा-बोला जा सके।

सामान : एक मेज़, एक बड़ा मेज़पोश या बड़ी चादर, डबलरोटी का एक टुकड़ा, एक छोटी तराज़ू।

(पहला दृश्य — कोई कमरा)

(कमरे के बीच में एक मेज़ है जिस पर मेज़पोश पड़ा है जो कि आगे से ढका है, मेज़ पर एक रोटी का टुकड़ा है। मेज़ के नीचे एक तराज़ू रखा है, पर दिखाई नहीं देता)

(म्याऊँ-म्याऊँ की आवाज़ होती है और दाहिनी तरफ़ से काली बिल्ली और बाईं तरफ़ से सफ़ेद बिल्ली प्रवेश करती है।)

काली बिल्ली : बिल्ली बहन, नमस्ते!

सफ़ेद बिल्ली : नमस्ते बहन, नमस्ते!

काली बिल्ली : अच्छी तो हो?

सफ़ेद बिल्ली : अच्छी क्या हूँ, भूखी हूँ!

SCERT TELANGANA

काली बिल्ली : मैं भी भूखी हूँ।
सफ़ेद बिल्ली : खाने को कुछ ढूँढ़ रही हूँ।
काली बिल्ली : उस खोज में मैं भी निकली हूँ।
सफ़ेद बिल्ली : मुझे महक रोटी की आती।
काली बिल्ली : हाँ, मेरी भी नाक बताती, पास कहीं है।
सफ़ेद बिल्ली : रखी मेज़ पर है वो रोटी।
लपकूँ? कोई आ न जाए तो...
काली बिल्ली : तू डर, मैं तो लेने चली...

(काली बिल्ली लपकती है और रोटी लेकर भागने लगती है)

सफ़ेद बिल्ली : ठहर, कहाँ भागी जाती है रोटी लेकर, रोटी मेरी।
काली बिल्ली : रोटी तेरी! कैसे तेरी? रोटी मेरी।
सफ़ेद बिल्ली : मैं न दिखाती तो तू जाती?
काली बिल्ली : अच्छा, क्या मैं खुद न देखती?
क्या मेरी दो आँखें नहीं है?
डरती थी उस तक जाने में!
जा डरपोक कहीं की, जा भग, रोटी

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

मेरी।

सफ़ेद बिल्ली : रोटी, कहे दे रही, मेरी।
मैं ले जाने तुझे न दूँगी।

काली बिल्ली : देख, राह से मेरी हट जा।
ले जाऊँगी, तुझे न दूँगी।

सफ़ेद बिल्ली : देखूँ, कैसे ले जाती है!
जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर!

काली बिल्ली : पहले दौड़े, दौड़ के ले ले पहले उसका हक रोटी पर। रोटी पर पहला हक मेरा।

सफ़ेद बिल्ली : मैं कहती हूँ, रोटी मेरी।

काली बिल्ली : मैं कहती हूँ, रोटी मेरी।

SCERT TELANGANA

(दोनों झगड़ती हैं, 'रोटी मेरी', 'रोटी मेरी' कहकर एक-दूसरे पर गुर्राती हैं)

(बंदर का प्रवेश)

बंदर : क्यों तुम दोनों झगड़ रही हो? तुम कहती हो रोटी मेरी। (*सफ़ेद बिल्ली से*) तुम कहती हो रोटी मेरी। (*काली बिल्ली से*) रोटी किसकी? मैं इसका फ़ैसला करूँगा। चलो कचहरी, मेरे पीछे-पीछे आओ।

(बंदर दोनों से छीनकर रोटी अपने हाथ में लेकर चलता है, दोनों बिल्लियाँ पीछे-पीछे जाती हैं)

(दूसरा दृश्य—बंदर की कचहरी)

(बंदर मेज़ पर बैठा है। रोटी का टुकड़ा सामने रखा है। दोनों बिल्लियाँ मेज़ के सामने इधर-उधर खड़ी हैं।)

बंदर (*सफ़ेद बिल्ली से*) : बोलो, तुमको क्या कहना है?

सफ़ेद बिल्ली : श्रीमान, पहले मैंने ही रोटी देखी थी, इससे रोटी पर पूरा हक मेरा बनता है।

बंदर (*काली बिल्ली से*) : बोलो, तुमको क्या कहना है?

काली बिल्ली : श्रीमान, पहले मैं झपटी थी रोटी लेने, इससे रोटी पर मेरा हक पूरा बनता है।

बंदर (*सफ़ेद बिल्ली से*) : एक आँख से देखी थी, या दो आँखों से?

सफ़ेद बिल्ली : दो आँखों से, दोनों आँखों से।

बंदर (*काली बिल्ली से*) : एक टाँग से झपटी थी या दोनों टाँगों से?

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

काली बिल्ली : दो टाँगों से, दोनों टाँगों से।

बंदर : तुम दोनों का था गवाह भी?

दोनों बिल्लियाँ : कहीं न कोई।
कोई न कहीं ।

बंदर : बात बराबर। बात बराबर। मेरा फ़ैसला है कि रोटी तोड़-तोड़कर तुम्हें बराबर दे दी जाए। मेरे पास धरम-काँटा है।

(बंदर मेज़ के नीचे से तराज़ू निकालकर लाता है। दो हिस्सों में तोड़कर दोनों पलड़ों पर रखता है और उठाता है। एक पलड़ा नीचे रहता है, दूसरा ऊपर)

बंदर : यह टुकड़ा कुछ भारी निकला। इसमें

SCERT TELANGANA

से थोड़ा खाकर हल्का कर दूँ।

(फिर तराज़ू उठाता है। अब पहला पलड़ा ऊपर है और दूसरा नीचे)

बंदर : अब यह टुकड़ा भारी निकला। अब इसको थोड़ा खाकर हल्का कर दूँ।

(फिर तराज़ू उठाता है। अब पहला पलड़ा नीचे हो गया और दूसरा ऊपर)

बंदर : अब यह टुकड़ा भारी निकला। टुकड़े भी कितने खोटे हैं, एक-दूसरे को छोटा दिखलाने में ही लगे हुए हैं। मुँह थक गया बराबर करते-करते और तराज़ू उठा-उठाकर हाथ थक गया।

(बिल्लियों को बंदर की चालाकी का पता चल गया। हाथ मलती हुई बड़ी

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

उदासी से एक-दूसरे को देखते हुए)

सफ़ेद बिल्ली : आप थक गए, अब न उठाएँ और तराज़ू।

काली बिल्ली : बची-कुची जो उसको दे दें, हम आपस में बाँट खाएँगी।

बंदर : नहीं, नहीं, तुम फिर झगड़ोगी। मैं झगड़े की जड़ को ही काटे देता हूँ। बची-कुची भी खा लेता हूँ।

(इतना कहकर बची-कुची रोटी भी बंदर खा जाता है और तराज़ू लेकर भाग जाता है)

दोनों बिल्लियाँ : आपस में झगड़ा कर बैठीं, बुद्धि अपनी खोटी।
अब पछताने से क्या होता, बंदर हड़पा रोटी।

हरिवंशराय बच्चन

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. कुछ पालतू जानवरों के नाम बताइए।
2. आप किस पालतू जानवर को पालना पसंद करेंगे और क्यों?

पढ़िए

1. दोनों बिल्लियाँ एक दूसरे से किस बात पर लड़ रही थीं?
2. बिल्लियाँ बंदर के साथ कहाँ जाती हैं और क्यों?

लिखिए

- कहानी का शीर्षक बंदर-बाँट क्यों है?
- आप नाटक को क्या नाम देना चाहेंगे?
- जो शीर्षक आपने दिया, उसका कारण बताइए।

शब्द भंडार

दोनों बिल्लियाँ एक-दूसरे को **नमस्ते** कहती हैं।

- आप इन लोगों से मिलने पर क्या कहती हैं?
  - ✧ आपकी सहेली/दोस्त
  - ✧ आपके शिक्षक
  - ✧ आपकी दादी/नानी
  - ✧ आपके बड़े भाई/बहन
- अब पता लगाइए आपके साथी कक्षा में कितने अलग-अलग तरीकों से नमस्ते कहते हैं?

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- अगर बंदर बीच में नहीं आता तो आपकी राय में रोटी किस बिल्ली को मिलनी चाहिए थी? अपने शब्दों में छोटी कहानी लिखिए।

प्रशंसा

- मिल बाँट कर खाने की आदत के बारे में लिखिए।

भाषा की बात

मुझे महक रोटी की आती।
इस वाक्य को इस तरह भी लिख सकते हैं-
मुझे रोटी की महक आती।
आप भी इसी तरह नीचे दिए वाक्यों के शब्दों को आगे-पीछे करके लिखो-

- उसी खोज में मैं भी निकली।
  मैं भी ....
- रखी मेज़ पर है वो रोटी।
  वो रोटी ....
- डरती थी उस तक जाने में।
  ....
- मैं ले जाने तुझे न दूँगी।
  ....
- जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर।
  ....

SCERT TELANGANA

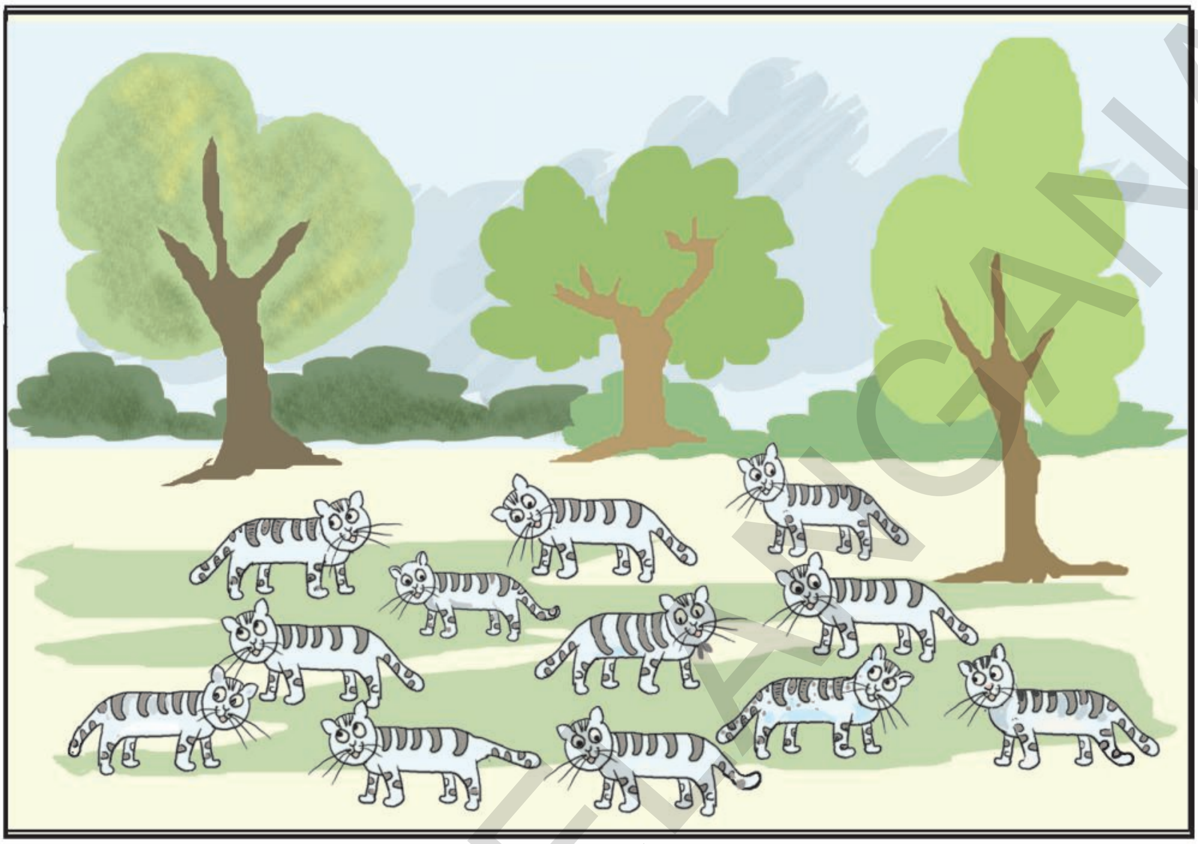

कट्टो बिल्ली बगीचे में अपने भाई–बहनों के साथ खेल रही थी। इतने में बंदर ने उसकी तस्वीर खींच ली। तस्वीर देखकर **बताइए** इनमें से कट्टो बिल्ली कौन–सी है?

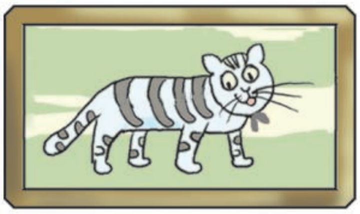

कट्टो बिल्ली की तस्वीर

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर बंदर बाँट पर छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

सर्दी आई

पढ़िए - आनंद लीजिए

सर्दी आई, सर्दी आई
ठंड की पहने वर्दी आई।

सबने लादे ढेर से कपड़े
चाहे दुबले, चाहे तगड़े

नाक सभी की लाल हो गई
सुकड़ी सबकी चाल हो गई।

ठिठुर रहे हैं, काँप रहे हैं
दौड़ रहे हैं, हाँफ रहे हैं।

धूप में दौड़ें तो भी सर्दी
छाँओं में बैठें तो भी सर्दी

बिस्तर के अंदर भी सर्दी
बिस्तर के बाहर भी सर्दी

बाहर सर्दी, घरमें सर्दी
पैर में सर्दी, सर में सर्दी।

इतनी सर्दी किसने कर दी
अंडे की जम जाए ज़र्दी।

सारे बदन में ठिठुरन भर दी
जाड़ा है मौसम बेदर्दी।

सफ़दर हाश्मी

SCERT TELANGANA

मुखौटे

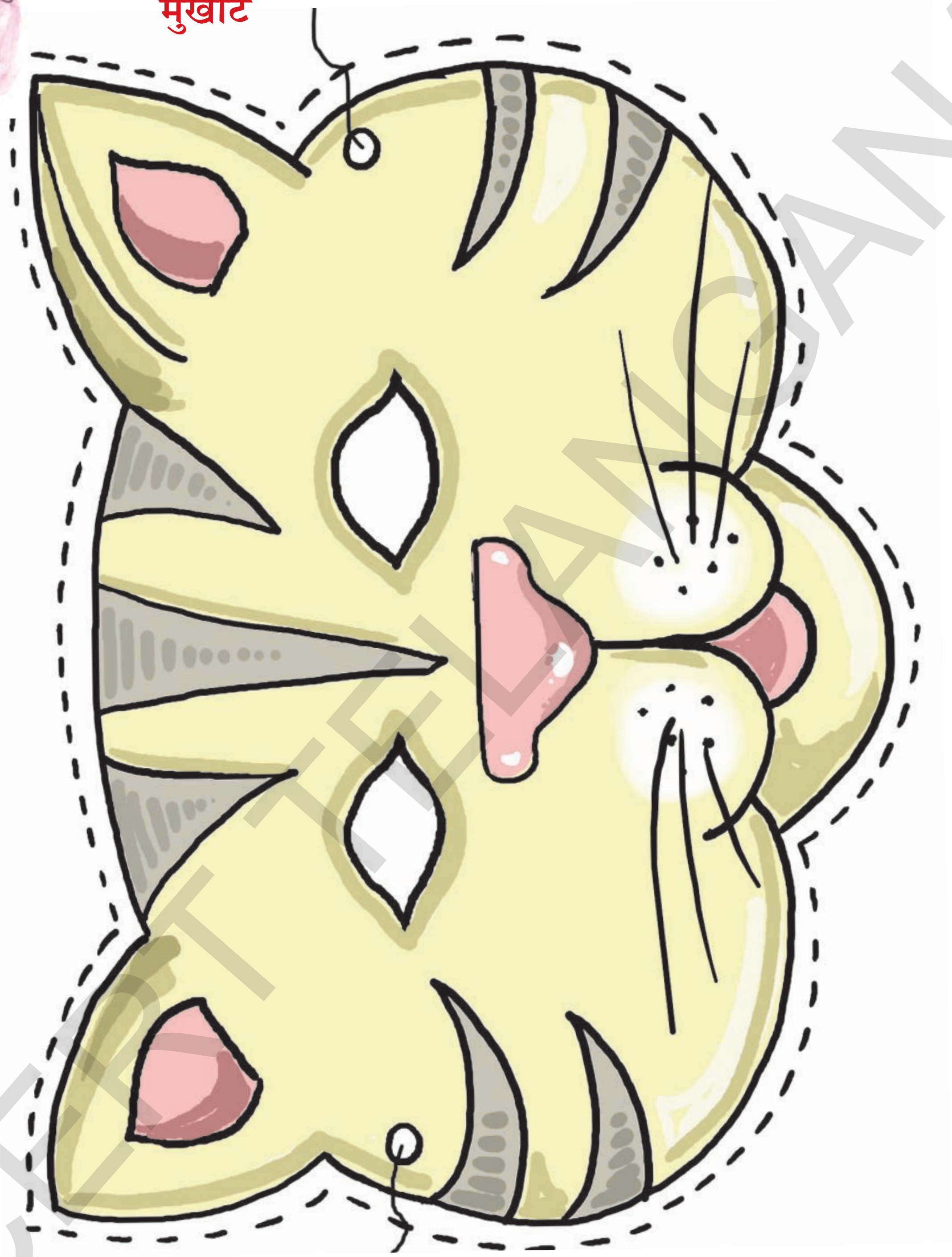

बच्चों से ऐसा ही मुखौटा बनाने के लिए कहें। इसी प्रकार से अन्य जानवरों के मुखौटे बनाए जा सकते हैं। इन मुखौटों को पहनाकर उनसे अभिनय करवाएँ।

SCERT TELANGANA

अक्ल बड़ी या भैंस

SCERT TELANGANA

SCERT TELANGANA

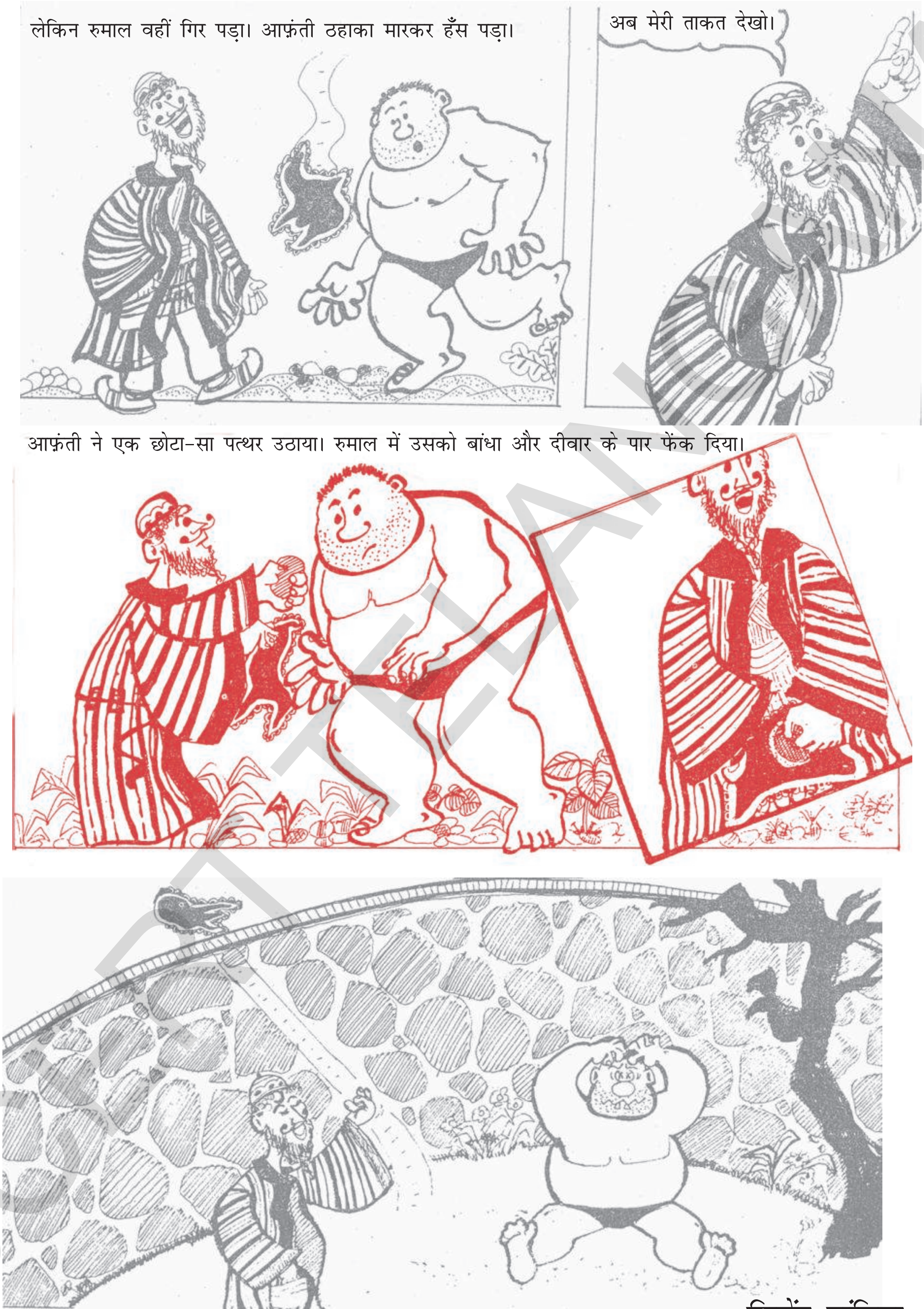

शिवेंद्र पांडिया

SCERT TELANGANA

इकाई - III

9. कब आऊँ

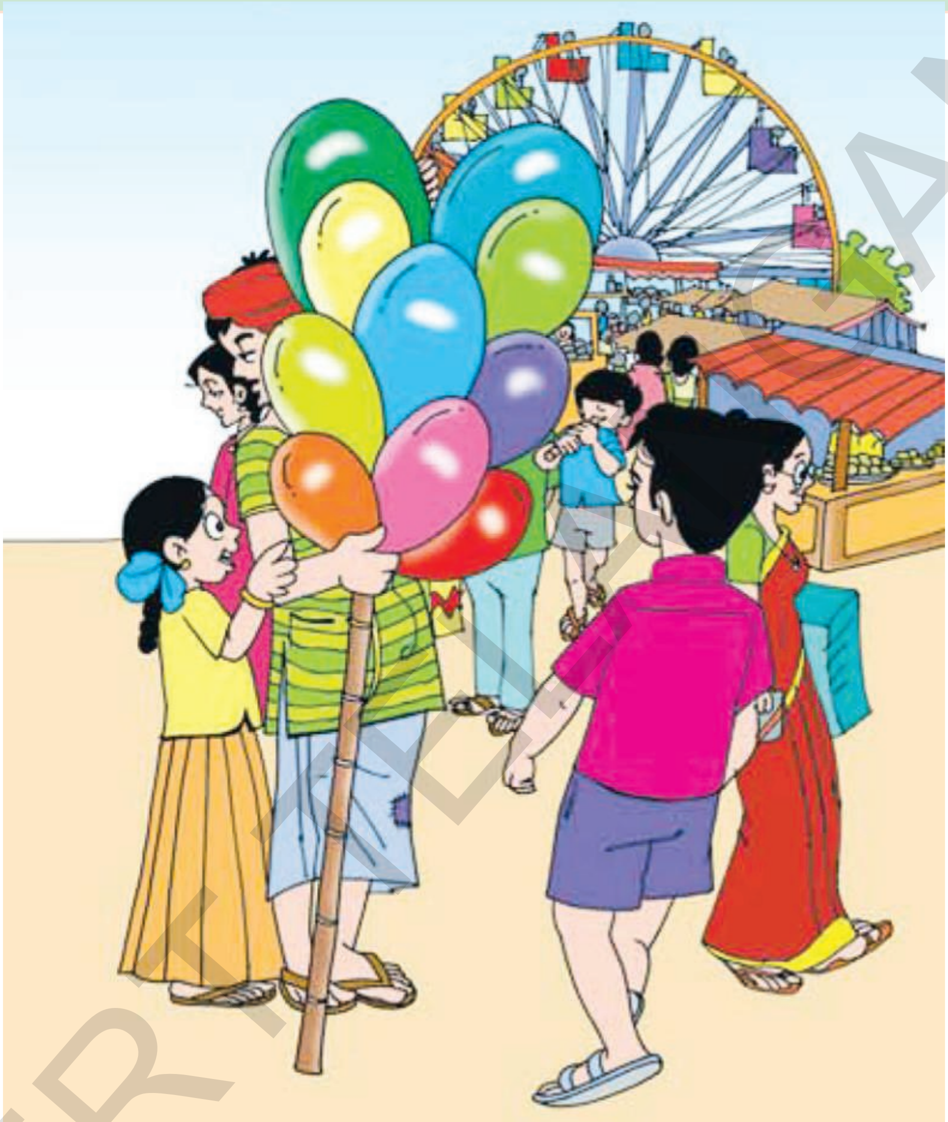

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. आप बाज़ार किस दिन जाते हैं और क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

अवंती ने एक छोटी-सी रंगाई की दुकान खोली और गाँववासियों के लिए कपड़ा रंगना शुरू कर दिया। सब लोग उसकी रंगाई की प्रशंसा करने लगे। धीरे-धीरे उसकी दुकान चल निकली। अवंती की प्रशंसा सुनकर एक सेठ को बहुत ईर्ष्या महसूस होने लगी। अवंती

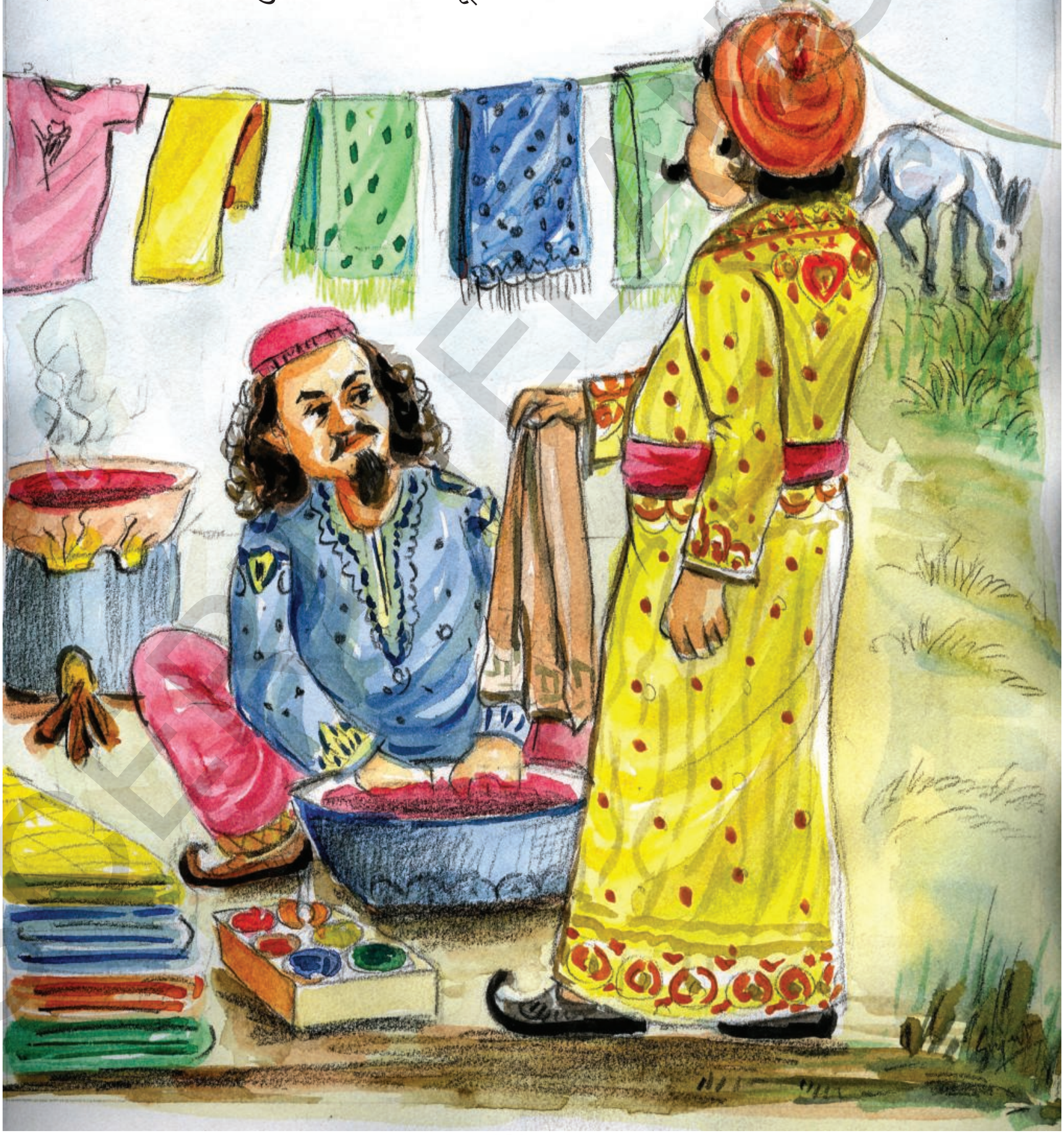

को परेशान करने के लिए वह सेठ कपड़े का एक टुकड़ा लेकर अवंती की दुकान में जा पहुँचा। दरवाज़े के अंदर घुसते ही सेठ बुलंद आवाज़ में बोला – अवंती, ज़रा यह कपड़ा तो अच्छी तरह से रंग दो। मैं देखना चाहता हूँ तुम्हारा हुनर कैसा है। तुम्हारी काफ़ी तारीफ़ सुनी थी, इसीलिए आया हूँ।

अवंती ने सेठजी से पूछा – सेठजी इस कपड़े को आप किस रंग में रंगवाना चाहते हैं?

सेठ ने कहा – रंग? रंग के बारे में मेरी कोई खास पसंद तो है नहीं, पर मुझे हरा, पीला, सफ़ेद, लाल, नारंगी, नीला, आसमानी, काला और बैंगनी रंग कतई अच्छे नहीं लगते। समझे कि नहीं?

अवंती ने जवाब दिया – समझ गया हूँ, अच्छी तरह समझ गया हूँ। मैं ज़रूर आपकी पसंद की रंगाई कर दूँगा!

अवंती ने सेठ का मंसूबा भाँपते हुए उसके हाथ से कपड़े का टुकड़ा ले लिया।

सेठ ने खुश होकर कहा – अच्छा, तो इसे लेने मैं किस दिन आऊँ?

अवंती ने कपड़े को अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा दिया और सेठ से बोला – आप इसे लेने सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छोड़कर किसी भी दिन आ सकते हैं।

सेठ समझ गया कि उसकी चाल उल्टी पड़ चुकी है अतः भलाई धीरे से खिसक लेने में ही है। फिर उस सेठ ने दोबारा अवंती की दुकान में घुसने की हिम्मत नहीं की।

आर.एस. त्रिपाठी

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. आपको कौनसा रंग पसंद है और क्यों?
2. आप रविवार के दिन क्या करते हैं?

पढ़िए

1. सेठ ने किस रंग में कपड़ा रंगने को कहा?
2. अवंती ने कपड़ा अलमारी में बंद कर दिया। क्यों?
3. सेठ कपड़ा लेने किस दिन आया होगा?
4. नीचे के वाक्यों में कुछ हरी–भरी सब्ज़ियों के नाम छुपे हैं। ढूँढ़िए तो ज़रा–
   - अब भागो भी, बारिश होने लगी है।
   - मामू लीला मौसी कहाँ है?
   - शीला के पास बैग नहीं है।
   - रानी बोली – हमसे मत बोलो।
   - गोपाल कबूतर उड़ा दो।

लिखिए

1. सेठ चालाक था या अवंती? अपने विचार लिखिए।
2. आप अवंती की जगह होते तो क्या करते?

शब्द भंडार

दिन – दीन *मेला – मैला*

ऊपर दिए गए शब्दों के जोड़ों में केवल एक मात्रा बदली गई है। किसी भी

SCERT TELANGANA

मात्रा को बदलने से अर्थ भी बदल जाता है। ऐसे और जोड़े बनाइए। देखें, कौन सबसे ज़्यादा जोड़े ढूँढ़ पाता है।

....

....

■ कभी-कभी हम अपनी बात करते हुए ऐसे शब्द भी बोल देते हैं, जिनकी कोई ज़रूरत नहीं होती। इसी तरह इन वाक्यों में कुछ शब्द फ़ालतू हैं। उन्हें ढूँढ़कर अलग कीजिए-

- बाज़ार से हरा धनिया पत्ती भी ले आना।
- एक पीला पका पपीता काट लो।
- अरे! रस में इतनी सारी ठंडी बर्फ़ क्यों डाल दी?
- ज़ेबा, बगीचे से दो ताज़े नींबू तोड़ लो।
- बेकार की फ़ालतू बात मत करो।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

■ विद्यालय, गुरुजी, छुट्टी, बंदर, डंडा, पेड़, केला, ताली, बच्चे, भूख। इन शब्दों को पढ़कर आपके मन में कुछ बातें आई होंगी। इन सब चीज़ों के बारे में एक छोटी-सी कहानी बनाइए और अपने साथियों को सुनाइए।

प्रशंसा

■ अवंती के बारे में कुछ वाक्य लिखिए। आप उसके कपड़ों, शक्ल-सूरत, पालतू पशु, बुद्धि आदि के बारे में बता सकते है।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

मुहावरे

चित्रों को देखिए। क्या इन्हें देखकर आपको कुछ मुहावरे या कहावतें याद आती हैं? उन्हें लिखिए।

अँधेरा

....
...

आरसी

....
...

आस्तीन

....
...

ग्यारह

....
...

समझ-समझदारी

रंगाई शब्द रंग से बना है। इसी तरह और शब्द बनाइए -

रंग	रंगाई
साफ़	....
चढ़	....
बुन	....

SCERT TELANGANA

■ जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका मतलब बताइए –

- मुझे बैंगनी रंग कतई अच्छा नहीं लगता। ....
- अवंती ने सेठ का मंसूबा भाँप लिया। ....
- मैं तुम्हारा हुनर देखना चाहता हूँ। ....
- सेठ बुलंद आवाज़ में बोला। ....
- सेठ को ईर्ष्या होने लगी। ....
- रंग के बारे में मेरी कोई खास पसंद तो है नहीं। ....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर कब आऊँ कहानी का अभिनय कर सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई - III

10. क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया

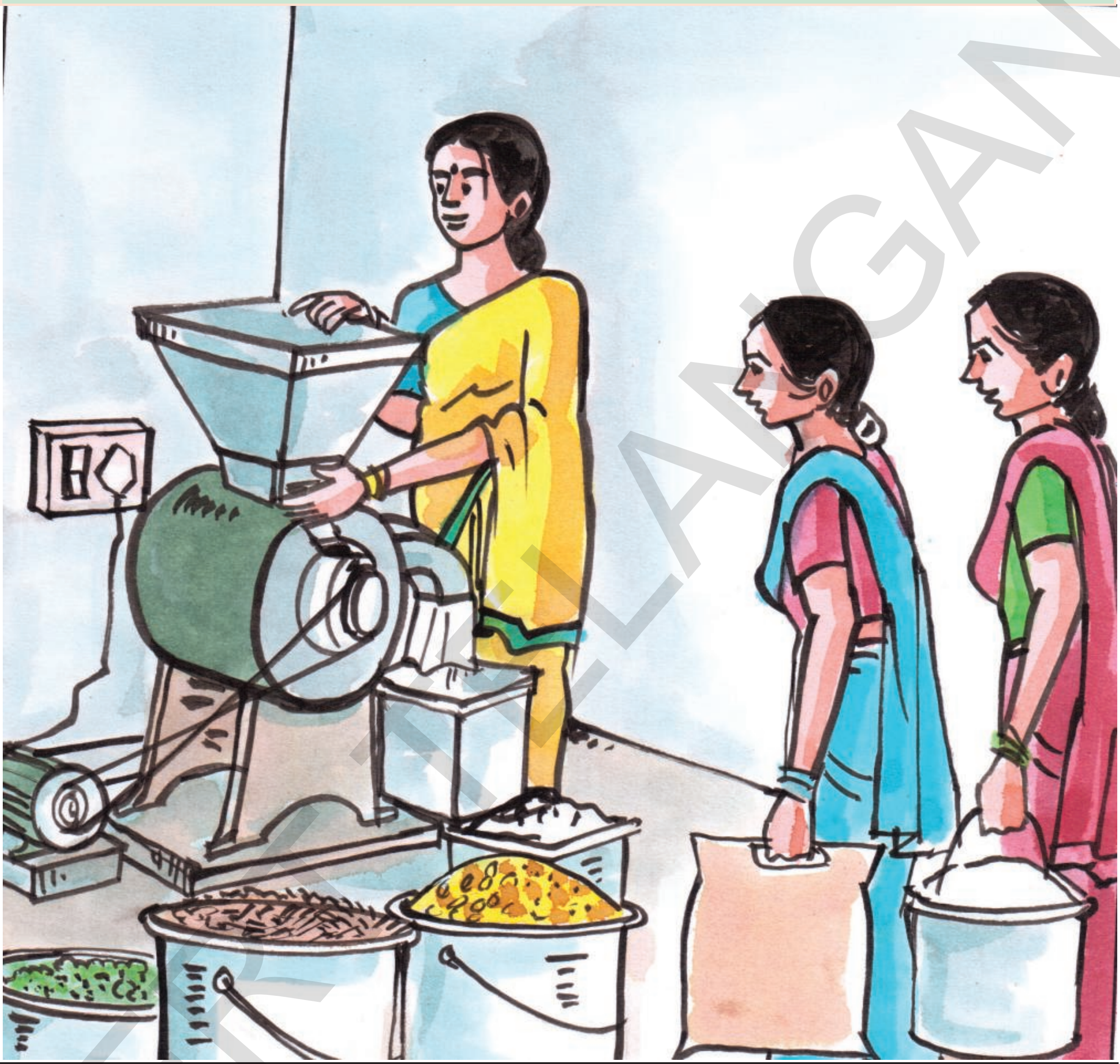

प्रश्न :

1. यह दृश्य कहाँ का है?
2. औरतें क्या कर रही हैं?
3. क्या आप ऐसी जगह गये हो और क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

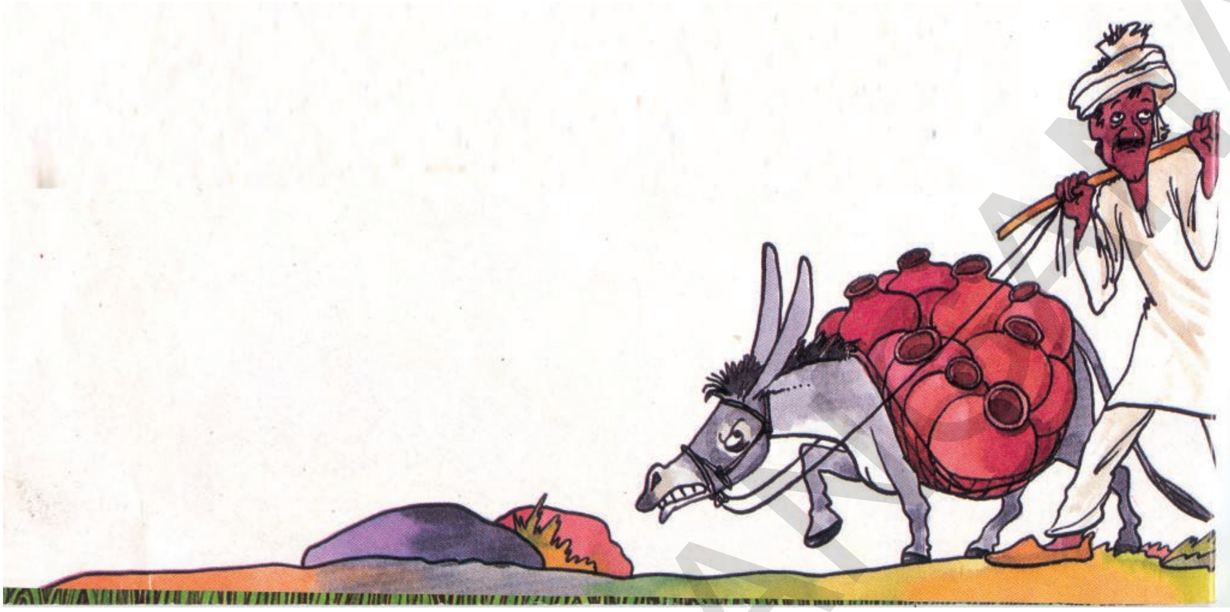

इनसे मिलिए – ये हैं, क्योंजीमल। बात-बात पर पूछ देते हैं- क्यों-क्यों-क्यों?

भले ही आप से जवाब देते बने या नहीं। पता नहीं क्यों!

और ये हैं उनके दोस्त – कैसे-कैसलिया। ये भी कोई कम नहीं हैं, मौका लगते ही पूछ देते हैं – कैसे-कैसे-कैसे?

भूले-भटके कभी दोनों से एक साथ मुलाकात हो गई तो क्यों और कैसे के बीच ही भटकते रहेंगे आप। क्यों-क्यों-क्यों? कैसे-कैसे-कैसे? पढ़िए और पता कीजिए ।

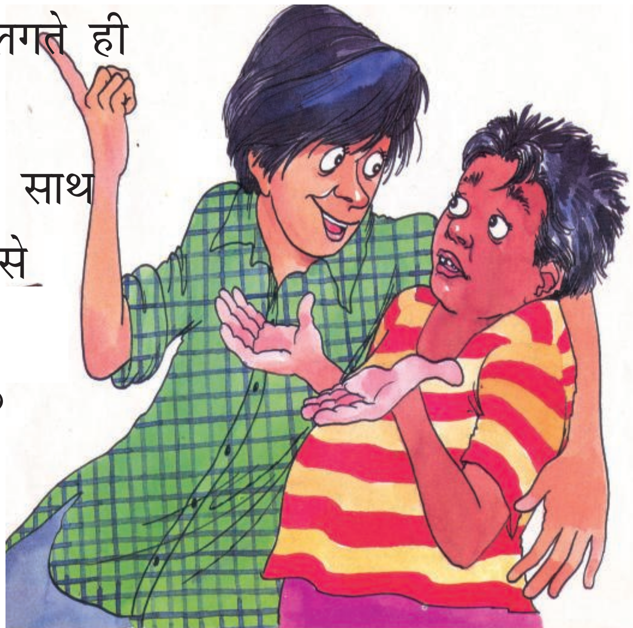

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

गुरुजी नमस्ते! किधर चले?

नमस्ते! ज़रा बाज़ार जा रहा हूँ।

बाज़ार? क्यों-क्यों-क्यों?

गेहूँ पिसवाना है, इसलिए।

बाज़ार? कैसे-कैसे-कैसे?

साइकिल पर! वैसे निकला
तो पैदल था, पर थैली देख कर
शिवदास ने अपनी गाड़ी दे दी।

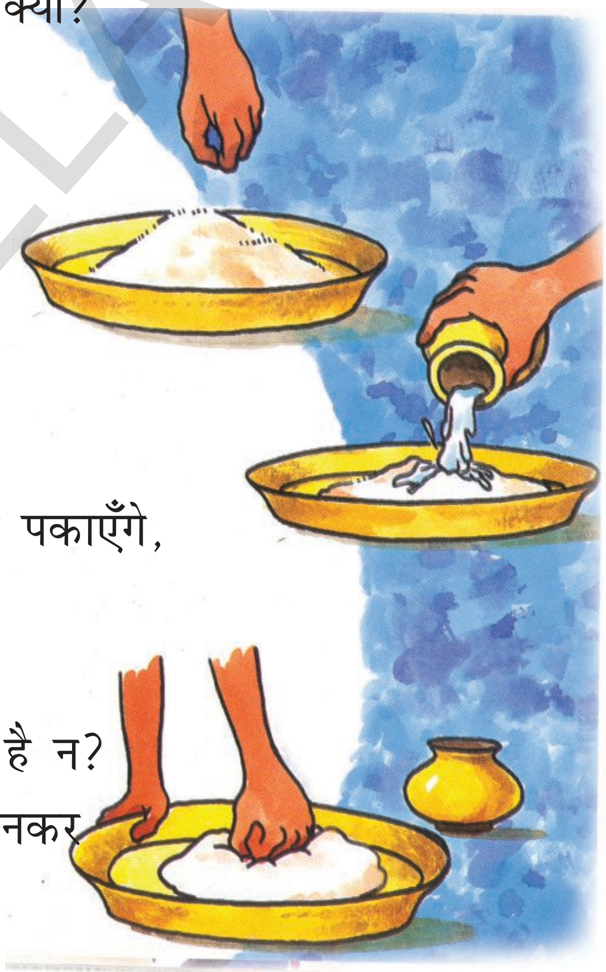

अच्छा, गेहूँ पिसवाना है। क्यों-क्यों-क्यों?

अरे, आटा जो चाहिए।

पिसवाना? कैसे-कैसे-कैसे?

चक्की में, भई।

आटा? क्यों-क्यों-क्यों?

क्यों भैया रोटी नहीं बनाएँगे?

रोटी? कैसे-कैसे-कैसे?

अरे आटे को सानेंगे, बेलेंगे, तवे पर पकाएँगे,
आग पर फुलाएँगे ।

सानेंगे? क्यों-क्यों-क्यों?

सुनो-सने आटे में थोड़ा पानी रहता है न?
आग पर तपने से यही पानी भाप बनकर
बिली हुई रोटी को पकाता है,
इसलिए सानेंगे।

सानेंगे, कैसे-कैसे-कैसे?

SCERT TELANGANA

तुमने कभी देखा नहीं है क्या?
परात पर आटा निकालेंगे, चुटकी भर नमक डालेंगे, फिर धीरे-धीरे एक हाथ से पानी डालते हुए सानना शुरू करेंगे। पहले-पहले सारा आटा बिखरेगा, फिर उसे समेटेंगे, और अच्छे से सान लेंगे। समझे?
अच्छा, परात पर! क्यों-क्यों-क्यों? कैसे-कैसे-कैसे?
गुरुजी : तुम लोगों की क्यों और कैसे में तो मेरी चक्की ही बंद हो जाएगी!
बंद हो जाएगी! क्यों-क्यों-क्यों?
बंद हो जाएगी! कैसे-कैसे-कैसे?
लेकिन तब तक गुरुजी
साइकिल पर सवार फुर्र हो चुके हैं।

सुबीर शुक्ला

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. आपके मन में अपने वातावरण के प्रति क्या जिज्ञासा होती है?
2. रोटी कैसे बनायी जाती है? अपने शब्दों में लिखिए।
3. बच्चों के सवालों से बड़े किस तरह तंग होते हैं?
4. हम गेहूँ पिसवाने आटा–चक्की पर जाते हैं। हम इन कामों के लिए कहाँ जाते हैं?

- आटा खरीदने | ....
- पंचर बनवाने | ....
- दूध खरीदने | ....
- जूते की मरम्मत करवाने | ....
- सुराही खरीदने | ....
- कॉपी–किताब खरीदने | ....
- बाल कटवाने | ....

- अपने घर के पास की आटा–चक्की पर जाइए और पता कीजिए कि –

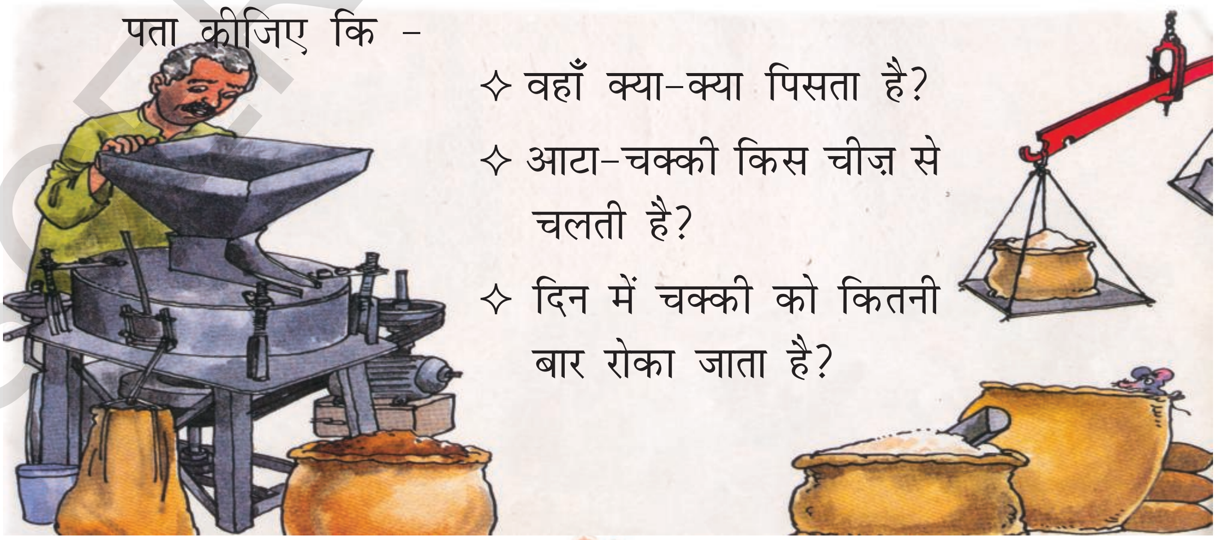

✧ वहाँ क्या–क्या पिसता है?

✧ आटा–चक्की किस चीज़ से चलती है?

✧ दिन में चक्की को कितनी बार रोका जाता है?

SCERT TELANGANA

पढ़िए

1. क्योंजीमल और कैसेलिया का नाम कहाँ तक सार्थक है?

2. गुरुजी कहाँ जा रहे थे?

लिखिए

1. कहा जाता है कि काम पर जाते समय टोकना नहीं चाहिए। ऐसा क्यों कहा जाता होगा?
2. **आप** गुरुजी की जगह होते तो क्या करते?

शब्द भंडार

1. **आपके** घर में आटा सानने को क्या कहते हैं?
2. रोटी बनाने के लिए किन-किन चीज़ों की आवश्यकता पड़ती है?

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. रोटी पर कविता **बनाइए**।

    जैसेः छोटी-छोटी रोटी

    गोल-गोल रोटी.........

प्रशंसा

- जीवन में कई प्रकार के कार्य करने पड़ते हैं। कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। हर कार्य का अपना-अपना महत्व होता है। ऐसे किसी दो कार्यों की प्रशंसा करते हुए अपने विचार **लिखिए**।

भाषा की बात

निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

1. चुटकी भर नमक डालिए।, 2. हमारे घर आज दाल बनी है।, 3. आटे से रोटी बनती है।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

परियोजना कार्य

- नीचे रसोई की कुछ चीज़ों के चित्र बने हैं उन्हें देखकर बताइए कि रोटी बनाने में कौन-कौनसी चीज़ इस्तेमाल नहीं होती। तो ऐसी चीज़ों का इस्तेमाल किस काम के लिए किया जाएगा? लिखिए।

सामान का नाम	इस्तेमाल
....	....
....	....
....	....
....	....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर संवाद लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई - III

11. मीरा बहन और बाघ

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. हमारे देश के कुछ राष्ट्रीय चिह्न बताइए।
3. बाघ राष्ट्रीय पशु क्यों कहलाता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

मीरा बहन का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। गांधी जी के विचारों का उन पर इतना असर हुआ कि वे अपना घर और अपने माता-पिता को छोड़कर भारत आ गईं और गांधी जी के साथ काम करने लगीं।

आज़ादी के पाँच साल बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के एक पहाड़ी गाँव, गेंवली में गोपाल आश्रम की स्थापना की। उस आश्रम में मीरा बहन का बहुत सारा समय पालतू पशुओं की देखभाल में बीतता था लेकिन गेंवली गाँव के आसपास के जंगलों में बाघ जैसे खतरनाक जानवर भी रहते थे।

पहाड़ी गाँवों में अक्सर बाघ का डर बना रहता है। जंगल कटने के कारण शिकार की तलाश में बाघ कभी-कभी गाँव तक पहुँच जाता

SCERT TELANGANA

है। गेंवली गाँव में एक बार यही हुआ। एक बाघ ने गाँव में घुसकर एक गाय को मार डाला। सुबह होते ही यह खबर पूरे गाँव में फैल गई। गाँव के लोग डरे कि यह बाघ कहीं फिर से आकर दूसरे पालतू जानवरों और किसी आदमी को ही अपना शिकार न बना ले। गाँव के लोग गोपाल आश्रम गए और उन लोगों ने मीरा बहन को अपनी चिंता बताई।

गाँव के लोगों ने अंत में तय किया कि बाघ को कैद कर लिया जाए। उसे कैद करने के लिए उन्होंने एक पिंजड़ा बनाया। पिंजड़े के अंदर एक बकरी बाँधी। योजना यह थी कि बकरी का मिमियाना सुनकर बाघ पिंजड़े की तरफ़ आएगा। पिंजड़े का दरवाज़ा इस प्रकार खुला हुआ बनाया गया था कि बाघ के अंदर घुसते ही वह दरवाज़ा झटके से बंद हो जाए। शाम होने तक पिंजड़े को ऐसी जगह पर रख दिया गया जहाँ बाघ अक्सर दिखाई देता था। यह जगह मीरा बहन के गोपाल आश्रम से ज़्यादा दूर नहीं थी।

रात बीती। सुबह की रोशनी होते ही लोग पिंजड़ा देखने निकल पड़े। उन्होंने दूर से देखा कि पिंजड़े का दरवाज़ा बंद है। वे यह सोचकर बहुत खुश हुए कि बाघ ज़रूर पिंजड़े में फँस गया होगा लेकिन जब वे पिंजड़े के पास पहुँचे तो क्या देखते हैं – पिंजड़े में बाघ नहीं था!

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

लोग चकित थे – बाघ के अंदर गए बिना पिंजड़ा बंद कैसे हो गया? लोग मीरा बहन के पास पहुँचे। लोगों ने सोचा कि गोपाल आश्रम पास में ही था, इसलिए शायद मीरा बहन को मालूम हो कि रात में क्या हुआ। पूछने पर मीरा बहन बोलीं –

देखो भाई, मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं सोचती रही कि आखिर बाघ को धोखा देकर हम क्यों फँसाएँ। इसलिए मैं गई और पिंजड़े का दरवाज़ा बंद कर आई।

सुनिए–बोलिए

1. विभिन्न जानवरों की बोलियों में तुम्हें कौन–सी बोली अच्छी लगती है और क्यों?
2. जानवरों को पकड़ने के (जैसे शेर और चूहा) कौन से तरीके हैं?
3. जंगल के पास गाँववाले जानवरों से बचने के क्या उपाय करते हैं?

पढ़िए

1. मीरा बहन कौन थीं?
2. गेंवली गाँव में क्या हुआ था?
3. मीरा ने पिंजड़ा बंद करने का क्या कारण बताया?

लिखिए

1. आप पाठशाला या घर में किससे अधिक प्रभावित होते हैं और क्यों?
2. यदि आपके गाँव या शहर में अचानक बाघ आ जाये तो आप क्या करेंगे?

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

कौन क्या है?

- बाघ, गाय, बकरी, हाथी और हिरण **जानवर** हैं। नीचे लिखी हुई चीज़ें क्या है? खाली जगहों में लिखिए।

✧ अगरतला, अल्मोड़ा, रायपुर, कोच्चि, वडोदरा ....

✧ जलेबी, लड्डू, मैसूरपाक, कलाकंद, पेड़ा ....

✧ नर्मदा, कावेरी, सतलुज, ब्रह्मपुत्र, यमुना ....

✧ बरगद, नारियल, पीपल, चीड़, नीम ....

✧ गेहूँ, बाजरा, चावल, रागी, मक्का ....

✧ कुर्ता, साड़ी, फ़िरन, लहँगा, कमीज़ ....

कोयल कू-कू, बकरी में-में

जानवरों की बोलियाँ तो तुमने सुनी ही होंगी। कोयल की बोली को जैसे **कूकना** कहते हैं और मक्खी की बोली को **भिनभिनाना**, वैसे ही अन्य जानवरों की बोलियों के भी नाम हैं।

नीचे दिए गए खाने में एक तरफ़ जानवरों के नाम हैं, दूसरी तरफ़ बोलियों के। ढूँढ़ निकालिए कौन-सी बोली किसकी है?

जानवर	बोलियाँ
भैंस	मिमियाना
घोड़ा	रँभाना
हाथी	चिंघाड़ना
बकरी	हिनहिनाना

जानवर	बोलियाँ
शेर	रेंकना
गधा	रँभाना
गाय	भौंकना
कुत्ता	दहाड़ना

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

चलिए, पकड़ें

गाँववालों ने बाघ को पकड़ने के लिए एक योजना बनाई थी। कक्कू के घर में रोज़ बिल्ली आकर दूध पी जाती है। कक्कू की मदद करने के लिए कोई योजना बनाइए। इस घटना को आगे बढ़ाइए।

प्रशंसा

- इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है, अपने विचार लिखिए।

भाषा की बात

ठीक कीजिए ।

हवाई जहाज़ आसमान उड़ रहा है।

आपको यह वाक्य कुछ अटपटा लग रहा होगा। इस वाक्य को फिर से पढ़िए।

हवाई जहाज़ आसमान <u>में</u> उड़ रहा है।

- अब इसी तरह इन वाक्यों को ठीक कीजिए।
  - ✧ धूप बैठकर ढोकला खाया।
  - ✧ पुतुल काम करने मना कर दिया।
  - ✧ लता सब मूँगफली खिलाई।
  - ✧ पहाड़ी गाँवों बाघ डर बना रहता है।
- अब वे सभी शब्द फिर से लिखो जिन्हें तुमने जोड़ा है।

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

■ बाघ से जुड़ी और कुछ कहानियाँ इकट्ठी कीजिए। कक्षा में प्रदर्शित कीजिए। मित्रों को सुनाइए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर मीरा बहन और बाघ का समूह में अभिनय कर सकता/सकती हूँ।		

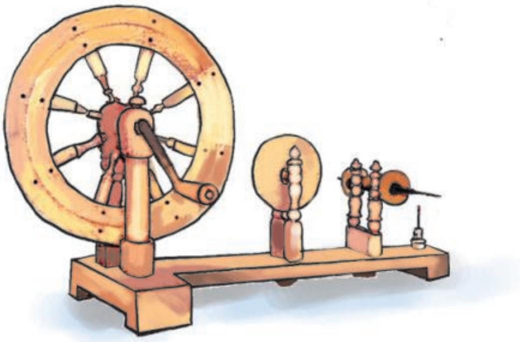

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

पढ़िए - आनंद लीजिए

कहानी की कहानी

कहानी सुनने में हम सब को मज़ा आता है।
आपको घर पर कौन कहानी सुनाता है?
किसकी कहानियाँ सबसे अच्छी लगती हैं?
किसका सुनाने का तरीका सबसे मज़ेदार है? भला क्यों?

बहुत पुरानी बात है। तब भी लोग कहानियाँ सुनते और सुनाते थे – राजा–रानी, परियों की कहानी, शेर और गीदड़ की कहानी। माँ–बाप, बच्चे, दादी–नानी को घेरकर बैठ जाते और बार–बार अपनी मनपसंद कहानी सुनते। बड़े होने पर वे बच्चे अपने बच्चों को कहानी सुनाते। फिर बड़े होकर बच्चे आगे अपने बच्चों को वही कहानियाँ सुनाते। इसी तरह कहानियों का यह सिलसिला आगे बढ़ता। उनके बच्चों के बच्चे, फिर उनके बच्चों के बच्चे उन कहानियों का मज़ा लेते जाते। सुनने–सुनाने से ही कई कहानियाँ आज हम तक पहुँची हैं।

कहानी सुनाने के कई अलग तरीके थे। कोई आवाज़ बदल–बदलकर सुनाता। कोई आँखें मटकाकर। कोई हाथ के इशारों से बात आगे बढ़ाता। कोई गाकर और कोई नाचकर भी कहानी को सजाता। आज भी कई लोग पुरानी कहानियों को नाच–गाकर सुनाते हैं। हर जगह नाच के ऐसे कई अलग–अलग तरीके हैं। *क्या आपको इलाके में कोई ऐसा कलाकार या कहानी कहने वाला है?*

पंचतंत्र की कहानियाँ सालों से लोग सुनते–सुनाते चले आ रहे थे। फिर

SCERT TELANGANA

लोगों ने सोचा क्यों न इनको लिखकर रख लें। इस तरह भूलेंगी नहीं और सँभली भी रहेंगी। ऐसी कई कहानियों को एक-साथ पोथी में लिख लिया। पोथी का नाम रखा - *पंचतंत्र*।

उस समय लोगों के पास कागज़ और किताबें तो होती नहीं थीं।

सोचो, कहानियों को कैसे लिखा होगा?

उस ज़माने में लोग पत्तों पर या पत्थर पर लिखते थे। पेड़ की छाल का भी इस्तेमाल करते थे। खजूर के बड़े पत्ते देखे हैं? उनको छाया में सुखा लेते थे। तेल से उनको नरम बनाकर फिर उन पर कहानी लिखते, पर लिखते किससे? पेंसिल और पेन तो तब थे नहीं। पक्षी के पंख से ही कलम बना लेते या बाँस को नुकीला बनाकर उससे

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

लिखते। स्याही भी खुद घर पर बनाते थे। क्या आपने कहीं लकड़ी की कलम देखी है?

पंचतंत्र की कहानियाँ कई सौ साल पहले लिखी गई थीं। दुनिया भर में ये कहानियाँ पसंद की जाती थीं। कई लोगों ने अपनी-अपनी भाषा में इस पोथी को लिखा था। जैसे – उड़िया, बंगाली, मराठी, मलयालम, कन्नड़ आदि।

यहाँ *पंचतंत्र* की एक कहानी की एक पंक्ति दी गई है। यह पंक्ति कई भाषाओं में लिखी है।

सिंह-शृगाल-कथा

अस्ति कस्मिंश्चित् वनोद्देशे वज्रदंष्ट्रो नाम सिंहः ।
किसी वन के एक इलाके में वज्रदंष्ट्र नाम का एक सिंह रहता था ।
କୌଣସି ବଣର ଏକ ସ୍ଥାନରେ ବଜ୍ରଦଂଷ୍ଟ୍ର ନାମକ ସିଂହ ଟିଏ ର ହୁ ଥିଲ। ।.
কোনো বোনের ঐক ভাগে বজ্রদংষ্ট্র নামের ঐকটা সিংহো থাকতো ।
ഏതോ ഒരു കാട്ടി വജ്രദംഷ്ട്രനഏന്നു പേരായ ഒരു സിംഹം ഉ ായിരുന്നു

इनमें से आप कौन-सी भाषा पहचान पाए?

क्या कोई पुरानी पोथी आप अपने आस-पास देखी है?

आज हम इन पुरानी पोथियों को सँभालकर रखते हैं। लोगों ने बहुत मेहनत से इन्हें लिखा था। इनमें कहानियाँ संजोकर, बचाकर रखी थीं। वे कहानियाँ हम आज भी सुनते और पढ़ते हैं। इन्हें आप अपने बच्चों को भी सुनाएँगे और पढ़ाएँगे और इन्हें आपके बच्चों के बच्चे भी पढ़ेंगे। पढ़ेंगे न?

SCERT TELANGANA

इकाई - IV

12. जब मुझको साँप ने काटा

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. जिस व्यक्ति को चोट लगी है, उसे कैसा लग रहा होगा?
3. हमें अंधविश्वास नहीं करना चाहिए। क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

एक दिन मैंने अपने अहाते में एक छोटा–सा साँप रेंगते देखा। वह धीरे–धीरे रेंग रहा था। मुझको देखते ही वह भागा और वहीं पर पड़े हुए नारियल के एक खोल में घुसकर छिप गया। मैंने पत्थर का एक टुकड़ा उठाया और उससे नारियल के खोल का मुँह बंद कर दिया। उसे लेकर मैं नानी के पास दौड़ गया।

मैंने कहा – नानी, देखो, मैंने साँप पकड़ा है।

SCERT TELANGANA

नानी चीख उठीं – साँप!

वह इतना घबरा गई कि लगीं ज़ोर-ज़ोर से चीखने-पुकारने। नाना ने सुना तो अंदर दौड़े आए। जब उन्हें पता चला कि नारियल के खोल के अंदर साँप है तो उन्होंने मेरे हाथ से उसे छीनकर दूर फेंक दिया। नन्हा साँप बाहर निकल आया और रेंगता हुआ पास की झाड़ी में गायब हो गया।

नाना ने मुझसे कहा – खबरदार, फिर कभी साँप के पास मत जाना। साँप बहुत खतरनाक होता है।

उसी दिन शाम को मैं एक बर्र को पकड़ने की कोशिश कर रहा था कि उसने काट खाया। बड़ी ज़ोर से

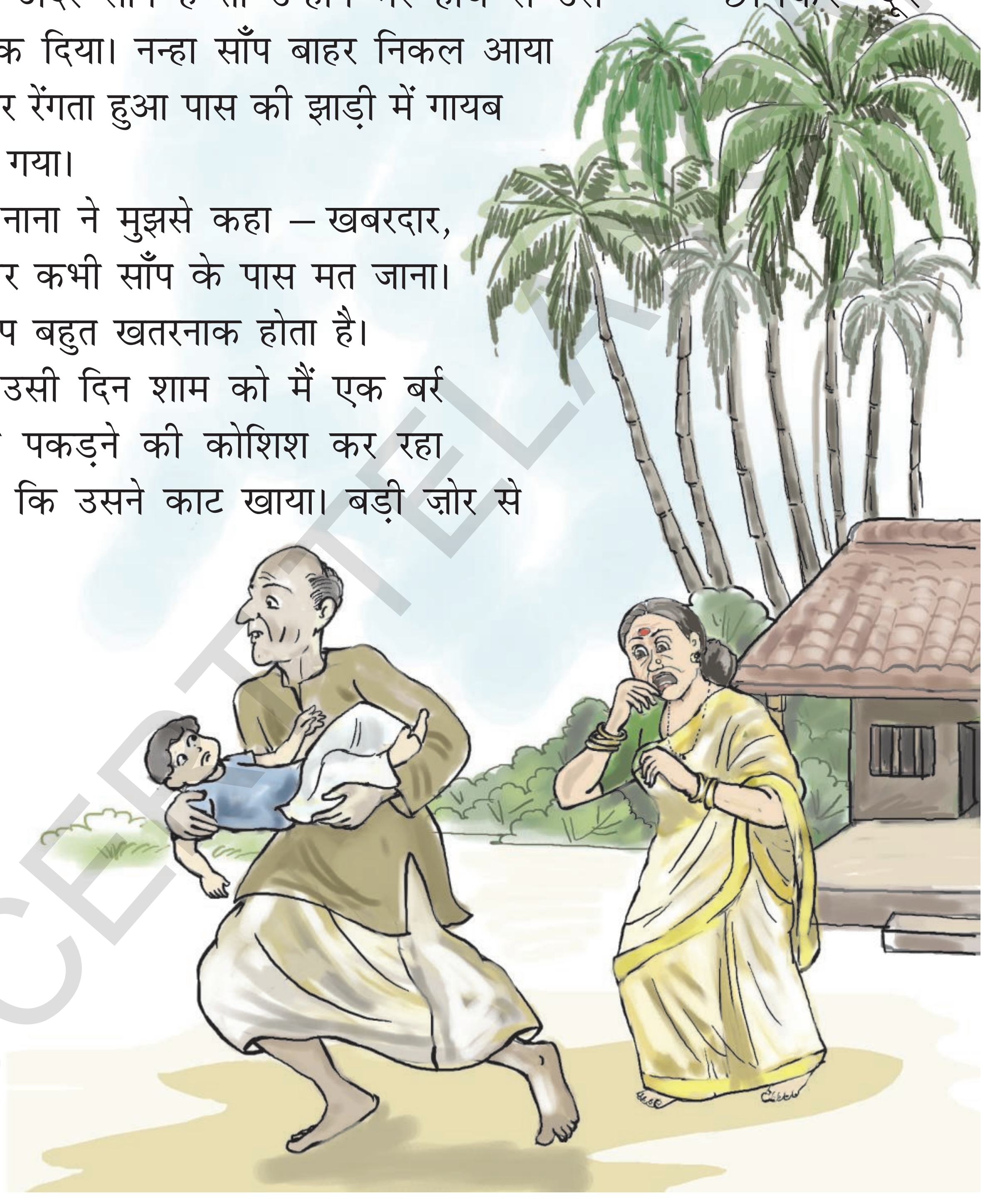

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

दर्द उठा। मुझे दर्द से कराहते देखकर नानी ने सोचा कि मुझे साँप ने काट लिया है। मैंने दौड़कर नानी को उँगली दिखाई। उन्होंने जल्दी से नाना को पुकारा। नाना तुरंत दौड़े आए और मेरी उँगली को देखा। जहाँ बर्र ने काटा था, वहाँ नीला निशान पड़ गया था। वह चट मुझे गोद में उठाकर बाहर भागे।

बाग और धान के खेतों को पार करके भागते-भागते वह अपने घर से दूर एक छोटी-सी झोंपड़ी के सामने जाकर रुके। वहाँ पहुँचते ही उन्होंने आवाज़ लगाई।

एक बूढ़ा आदमी बाहर निकला। वह साँप के काटने

SCERT TELANGANA

का मंत्र जानता था। नाना ने उससे कहा – इस बच्चे को साँप ने काट लिया है। इसकी झाड़-फूँक कर दो।

बूढ़ा मुझे झोंपड़ी में ले गया।

उसने मेरी उँगली देखी और बोला – चुपचाप बैठो। हिलना-डुलना मत।

फिर पीतल के बर्तन में पानी लाया और मेरे सामने बैठकर मंत्र पढ़ने लगा।

मैं चाहता तो बहुत था कि उस बूढ़े को बता दूँ कि मुझे साँप ने नहीं, बर्र ने काटा है। पर मेरे नाना मुझे कसकर पकड़े रहे और मुझे बोलने ही नहीं दिया। जैसे ही मैं कुछ कहने को मुँह खोलता, वह डाँटकर कहते – चुप! डर के मारे मैं चुप हो जाता। हमारे पीछे-पीछे हमारी नानी भी कई लोगों के साथ वहाँ आ पहुँची। सब लोग उदास खड़े देखते रहे।

तब तक मेरी उँगली का दर्द जा चुका था। फिर भी मुझे वहाँ ज़बरदस्ती बैठकर झाड़-फूँक करवानी पड़ रही थी। कुछ मिनट बाद बूढ़ा आदमी उठा। उसने उसी बर्तन के पानी से मेरी उँगली धोई और मुझे पिलाया भी। उसने मुझे बोलने से मना कर दिया ताकि दवा का पूरा असर हो। फिर वह नाना से बोला – जय हो भगवान की! अब बच्चा खतरे से बाहर है। अच्छा हुआ, आप समय रहते मेरे पास ले आए। बड़े ज़हरीले साँप ने काटा था।

सब लोगों ने बूढ़े को उसके अद्‌भुत इलाज के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। घर लौटने के बाद नाना ने उसके लिए बहुत-सी चीज़ें भेंट में भेजीं।

शंकर

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

सुनिए–बोलिए

1. आप किस रेंगने वाले जानवर से डरते हैं और क्यों?
2. क्या आप ने कभी साँप देखा है? अगर देखा तो कहाँ?

पढ़िए

1. जब साँप नारियल के खोल में घुस गया तो लड़के ने क्या किया?
2. बर्र के काटने पर लड़के को उसके नाना कहाँ ले गये?
2. बूढ़े आदमी ने साँप के काटने का क्या इलाज किया?

लिखिए

1. नाना लड़के को झाड़फूँक आदमी के पास क्यों ले गये होंगे?
2. किसी एक रेंगने वाले जानवर के बारे में लिखिए।
3. साँप के काटने पर हमें किसके पास इलाज के लिए जाना चाहिए और क्यों?

शब्द भंडार

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उन शब्दों में से कुछ शब्द घर से संबंधित हैं। उन पर घेरा लगाइए।

अहाता	आँगन	बरामदा	ज़ीना	अटारी
आला	घेर	सीढ़ी	छत	सड़क
रसोई	छज्जा	दालान	अस्तबल	रहट
नहर	पुलिया	जोहड़	डाकघर	टाँड
	कमरा	मुँडेर		

SCERT TELANGANA

- अलग-अलग निशानों से पता चलता है कि बात कैसे कही गई होगी। अब नीचे लिखे वाक्यों में सही निशान लगाइए। अब इन्हें बोलकर देखिए।

✧ नानी चीख उठी साँप

✧ साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था

✧ क्या तुम बाज़ार चलोगी

✧ चुपचाप बैठो हिलना-डुलना मत

✧ तुम्हें यह कहानी कैसी लगी

✧ अहा कितनी मीठी है

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

■ इस पाठ के आधार पर वार्तालाप **कीजिए।**

प्रशंसा

■ अंधविश्वासों के प्रति जागरूकता प्राप्त कर अपने साथियों को **बताइए।**

भाषा की बात

क्या कहेंगे

आप लड़के को क्या कहेंगे? कारण देकर बताइए।

निडर, नादान, होशियार, शरारती, डरपोक, शर्मीला

(याद रखिए वह खोल में साँप लेकर भागा था।)

SCERT TELANGANA

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर अंधविश्वास को मिटाने के लिए भाषण दे सकता/सकती हूँ।		

- मुझे मेरी माँ तक **पहुँचाइए।**

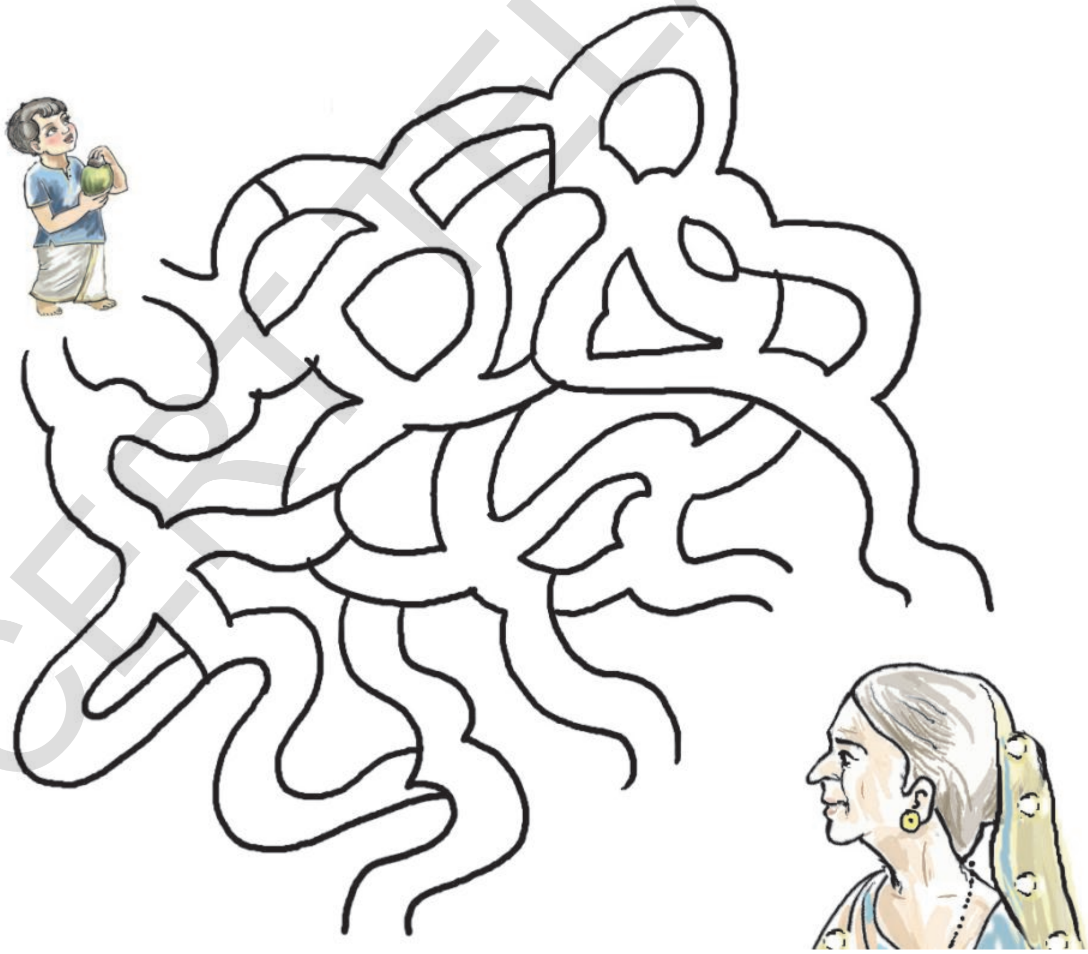

SCERT TELANGANA

क्या आप जानते हैं?

- साँप अपना भोजन चबाते नहीं हैं। वे भोजन साबुत निगलते हैं।
- साँप कभी बढ़ना बंद नहीं करते।
- साँप नाक से नहीं सूँघते। सूँघने के लिए साँप जीभ का इस्तेमाल करते हैं।
- साँप के कान नहीं होते। इसलिए साँप बीन की धुन सुनकर नहीं नाच सकता। वास्तव में वह बीन बजाने वाले सपेरे से डरकर अपना फन फैला लेता है और लोग समझते हैं वह झूम रहा है।
- साँप दूध नहीं पीते। कुछ सँपेरे साँप को ज़बरदस्ती दूध पिलाते हैं पर इससे साँप मर भी सकता है।
- भारत में लगभग 50 तरह के साँप ज़हरीले हैं पर सिर्फ़ 4 साँपों के ज़हर से आदमी को खतरा होता है।

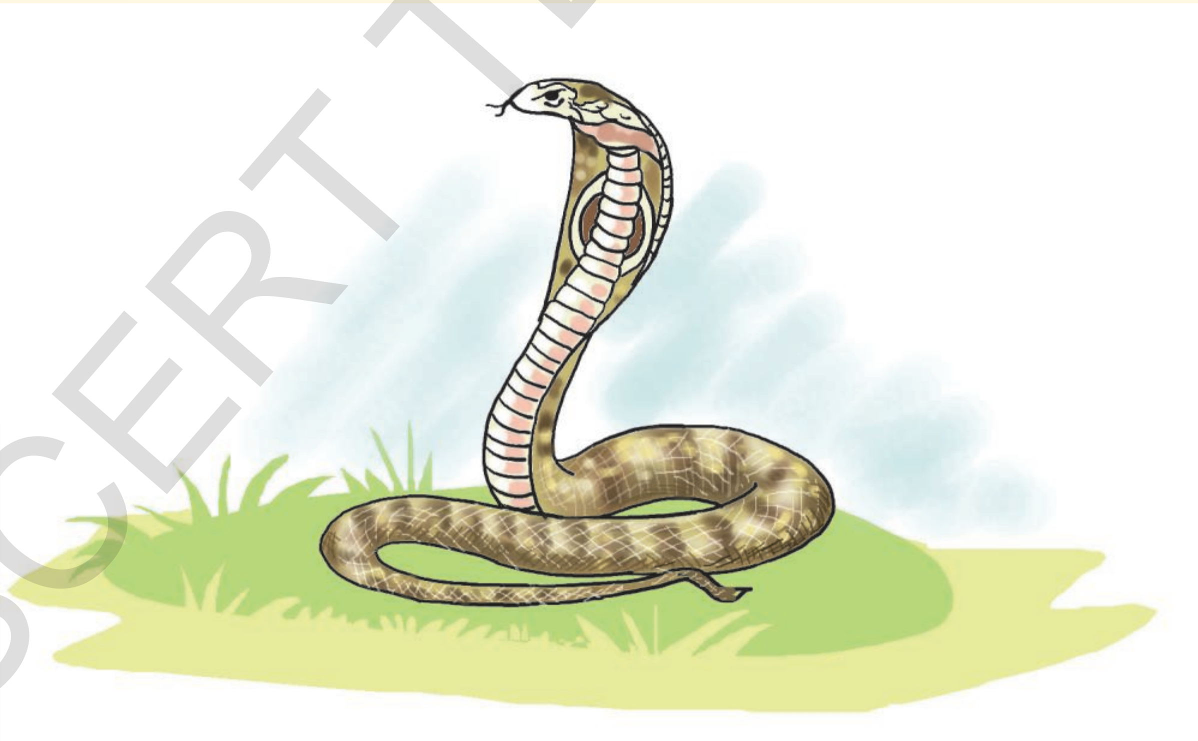

SCERT TELANGANA

पढ़िए - आनंद लीजिए

बच्चों के पत्र

कैलाश कालोनी,
19 नवंबर 2005

प्यारी मौसी,

नमस्ते, मौसी आप की याद आती है। जब आप नहीं होती तो मुझे रोना आता है। मौसी ज़रूर रक्षाबंधन पर आना। मौसी भाई और बहन कैसी है और आप कैसी हो। हम यहाँ ठीक है लेकिन छोटे भाई को बुखार आ गया था। अब तो वह ठीक है। मौसी हमारे घर कब आओगी। मौसी जरूर आना हमारे घर हम पार्टी बनाएँगे। ममता और रोहित पढ़ने जाते है तो उनसे कहना वो दोनों ध्यान से पढ़ें। राहुल तो रोता है कहता है कि मुझे मम्मी के पास जाना है। हम किसी दिन आएँगे। मौसी मैं पत्र बंद करती हूँ। छोटे भाई-बहन को प्यार देना।

आपकी बेटी,
राधा

SCERT TELANGANA

अरेरा कालोनी
भोपाल
10 अप्रैल 2005

आदरणीय बुआजी,

नमस्ते।

आशा है आप सब ठीक होंगे। मेरी यहाँ परीक्षा होने वाली है। इस बार माँ ने कहा है कि गर्मी की छुट्टियों में हम सब आपके पास आ रहे हैं। मुझे आपकी बहुत याद आती है। मुनिया दादी और राजू भैया कैसे हैं? हम सब छुट्टियों में खूब खेलेंगे। गाँव में आम भी ढेर सारे खाएँगे। मैं आप सबके लिये यहाँ से क्या लाऊँ? बुआ जी जब मैं आऊँगी तो आप मेरे खाने के लिए मालपुआ की तैयारी करके रखना। बाकी बातें मिलने पर करेंगे।

आपकी बेटी
महिमा

SCERT TELANGANA

इकाई - IV

13. मिर्च का मज़ा

प्रश्न :

1. यह दृश्य कहाँ का है?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. आपको कौन–से स्वाद पसंद है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी,
लाल मिर्च को देख गया भर उसके मुँह में पानी।

सोचा, क्या अच्छे दाने हैं, खाने से बल होगा,
यह ज़रूर इस मौसिम का कोई मीठा फल होगा।

एक चवन्नी फेंक और झोली अपनी फैलाकर,
कुँजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर।

लाल-लाल, पतली छीमी हो चीज़ अगर खाने की,
तो हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

हाँ, यह तो सब खाते हैं – कुँजड़िन बेचारी बोली,
और सेर भर लाल मिर्च से भर दी उसकी झोली।

मगन हुआ काबुली फली का सौदा सस्ता पाके,
लगा चबाने मिर्च बैठकर नदी-किनारे जाके।

SCERT TELANGANA

मगर, मिर्च ने तुरंत जीभ पर अपना ज़ोर दिखाया,
मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।

पर, काबुल का मर्द लाल छीमी से क्यों मुख मोड़े?
खर्च हुआ जिस पर उसको क्यों बिना सधाए छोड़े?

आँख पोंछते, दाँत पीसते, रोते और, रिसियाते,
वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

इतने में आ गया उधर से कोई एक सिपाही,
बोला – बेवकूफ़! क्या खाकर यों कर रहा तबाही?
कहा काबुली ने – मैं हूँ आदमी न ऐसा-वैसा।
जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा!

रामधारीसिंह दिनकर

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. काबुलीवाले ने मिर्च को स्वादिष्ट फल क्यों समझ लिया?
2. सब्ज़ी बेचने वाली ने क्या सोचकर उसे झोली भर मिर्च दी होगी?
3. सारी मिर्चें खाने के बाद काबुलीवाले की क्या हालत हुई होगी?
4. अगले दिन सब्ज़ी वाली टमाटर बेच रही थी। क्या काबुलीवाले ने टमाटर खाया होगा?

पढ़िए

कविता की वे पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए जिनसे पता चलता है कि

- काबुलीवाला कुछ शब्द अलग तरीके से बोलता था।

  ....

- काबुलीवाला कंजूस था।

  ....

- मिर्च बहुत तीखी थी।

  ....

- काबुलीवाले को मिर्च के बारे में नहीं पता था।

  ....

- काबुलीवाले को 25 पैसे की मिर्च चाहिए थी।

  ....

लिखिए

1. किन–किन चीज़ों को देखकर **आपके** मुँह में पानी भर आता है?
2. मिर्च से क्या–क्या बनाया जा सकता है?

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

शब्द भंडार

मुँह में पानी

- लाल-लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले के मुँह में पानी आ गया। आपके मुँह में किन चीज़ों को देखकर या सोचकर पानी आ जाता है?

....

....

जल या जल?

मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।

यहाँ जल शब्द को दो अर्थों में इस्तेमाल किया गया है।

जल - जलना

जल - पानी

इसी तरह नीचे दिए गए शब्दों के भी दो अर्थ हैं।

इन शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए पर ध्यान रहे -

- वाक्य में वह शब्द दो बार आना चाहिए
- दोनों बार उस शब्द का मतलब अलग निकलना चाहिए। (जैसे ऊपर दिए गए वाक्य में जल)

✧ हार - ....

✧ आना - ....

✧ उत्तर - ....

✧ फल - ....

✧ मगर - ....

✧ पर - ....

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- अपने मन से बनाकर एक कविता यहाँ लिखिए।

....

....

....

प्रशंसा

- विभिन्न खाद्य पदार्थों का अपना महत्व होता है। किंतु किसी भी वस्तु की अति उसके महत्व को कम कर देती है। अतः इस बात को ध्यान रखते हुए खाद्य पदार्थों का उपयोग कैसा करना चाहिए?

भाषा की बात

कुंजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर

इस पंक्ति को ऐसे भी लिख सकते हैं –

बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर कुंजड़िन से बोला।

अब इसी तरह इन पंक्तियों को फिर से लिखिए –

- हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

....

- वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

....

- जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा।

....

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

- एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी।

....

चार आना

- चवन्नी मतलब चार आना।
चार आना मतलब 25 पैसे।
तो एक रुपए में कितने पैसे?

अब बताओ –
अठन्नी मतलब .... आने।
इकन्नी मतलब .... आना।
दुअन्नी मतलब .... आने।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

घिस-घिस

आपको चाहिए : पाँच-छह कागज़, अलग-अलग मोम के रंग

कैसे करना है: अलग-अलग पेड़ चुनो जैसे केला, बबूल, आम, बाँस, नारियल, जामुन। अब किसी एक पेड़ के तने पर अपना कागज़ रखो। उस पर किसी मोम रंग को ऊपर से नीचे की तरफ़ घिसो। तुम्हारे कागज़ पर उस पेड़ के तने की छाल की छाप आ गई न! इसी तरह दूसरे पेड़ों के साथ करो।

इन कागज़ों को अपनी कॉपी में चिपकाना मत भूलना

बच्चों को बताएँ की यह चित्र बिहार की मधुबनी शैली में बना है।

SCERT TELANGANA

इकाई - IV

14. सबसे अच्छा पेड़

प्रश्न :

1. चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं?
2. पेड़ का जीवन में क्या महत्व है?
3. यदि आप पौधा लगाते हैं तो आपको कैसा लगता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तीन भाई थे। एक दिन सुबह के समय तीनों नए घरों की तलाश में निकल पड़े। गरम-गरम धूप में वे सड़क पर चलते चले गए। थोड़ी देर में आम का एक बड़ा पेड़ आया। उसके नीचे ठंडी छाँह थी। तीनों भाई उसके नीचे आराम करने लगे।

पेड़ के पके आम तोड़-तोड़कर वे मीठा-मीठा रस चूसने लगे। बड़े भाई ने कहा – भाई मुझे तो यही जगह पसंद है। आम के पेड़ से बढ़कर क्या हो सकता है? आम कच्चे होंगे, तो हम अचार बनाएँगे। और जब वे पक जाएँगे, तो हम मीठे-मीठे आम खाएँगे। कुछ आम हम बाद में खाने के लिए सुखाकर रख लेंगे।

पहले भाई ने आम के पेड़ के नीचे एक झोपड़ी बनाई और वह वहीं ठहर गया। लेकिन उसके भाई वहाँ नहीं ठहरे, वे आगे चल पड़े।

चलते-चलते उन्हें केले के कुछ पेड़ मिले। तभी आसमान से एक काला बादल गुज़रा। टप-टप....... पानी बरसने लगा। दोनों भाइयों ने केले का एक-एक पत्ता काट लिया, उसके साए में उन पर पानी नहीं गिरा।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

ज़रा देर में बादल चला गया। बारिश रुक गई।

दूसरे भाई ने कहा – बड़ी भूख लगी है।

मुझे भी – तीसरे भाई ने कहा। दोनों ने केले का एक पत्ता चीरा, उन्होंने एक-एक टुकड़े पर खाना परोसा और दोनों ने भरपेट खाना खाया। इसके बाद एक-एक केला भी खाया।

दूसरे भाई ने कहा – मैं तो यहीं घर बनाऊँगा। केले के पेड़ से अच्छा क्या होगा, बढ़िया केले खाने को मिलेंगे। उनकी सब्ज़ी बनाएँगे। कुछ केले हम बेच देंगे। उनके पैसे से हम चावल खरीद लेंगे और केले के पत्ते भी काम आएँगे।

इसीलिए दूसरे भाई ने वहीं अपनी झोपड़ी बना ली।

मगर तीसरा भाई आगे बढ़ता चला गया।

चलते-चलते उसे नारियल का एक पेड़ मिला। पेड़ बड़ा लंबा और पतला था।

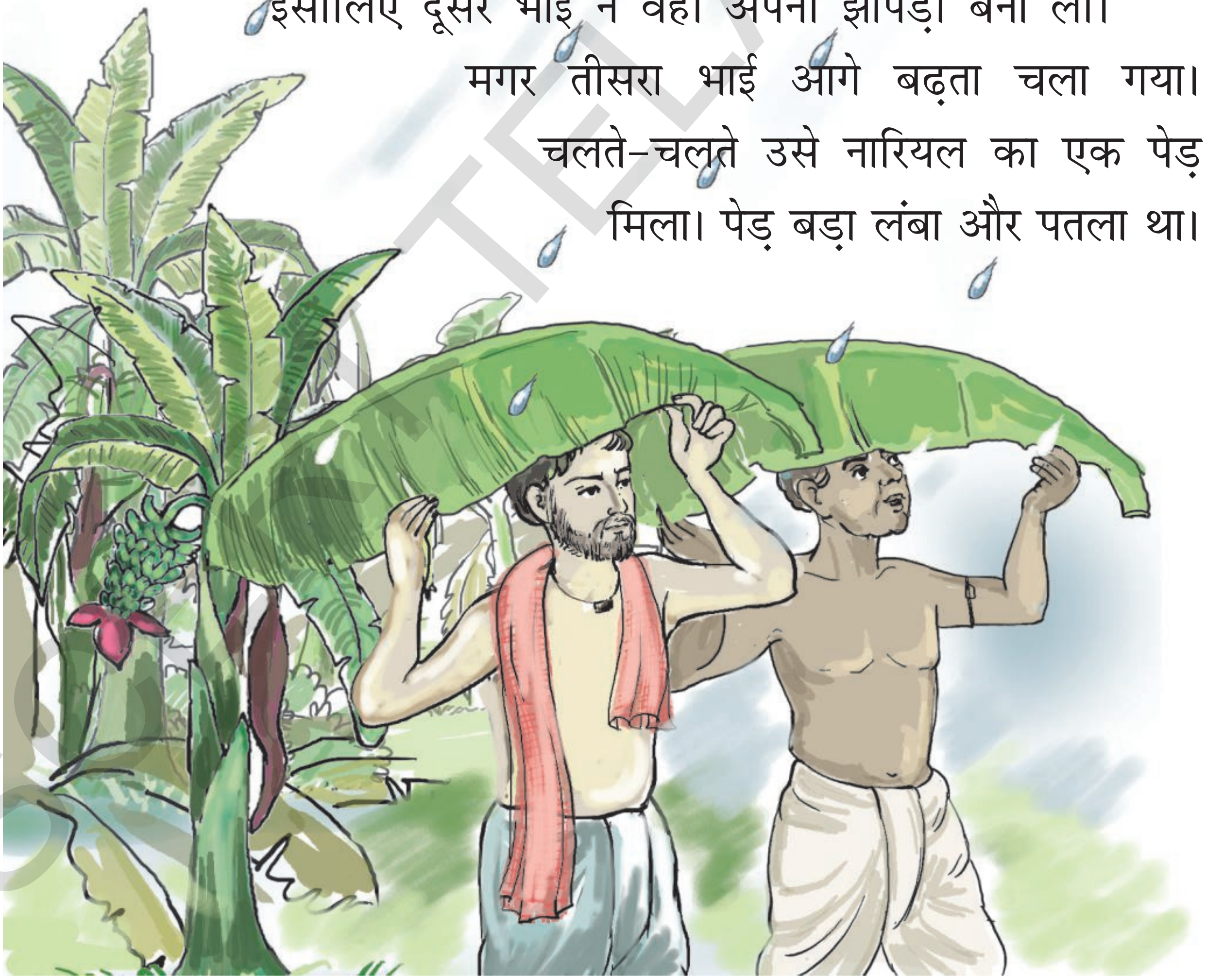

SCERT TELANGANA

तीसरे भाई ने कहा – कैसी प्यास लगी है!

टप... एक नारियल ज़मीन पर टपक पड़ा। तीसरे भाई ने अपना चाकू निकाला। खर-खर.. नारियल की जटाएँ साफ़ हो गईं। फिर उसने नारियल के छिलके में छोटा-सा छेद किया और उसका ठंडा-मीठा पानी पीया। नारियल के पेड़ की छोटी-सी छाँह!

तीसरा भाई उसी छाँह में बैठ गया और सोचने लगा –

आम का पेड़ बहुत बढ़िया होता है और आम भी बड़ा अच्छा फल है। केले का पेड़ बड़े काम का होता है और केला खाने में अच्छा होता है।

पेड़ नीम का भी अच्छा है। उसकी दातुन बड़ी अच्छी रहती है। घर में कोई बीमार हो, तो लोग नीम की टहनियाँ दरवाज़े पर लटका देते हैं। मेरे पास नीम का पेड़ हो, तो मैं उसकी टहनियाँ बेच सकता हूँ और पेड़ मुझे ठंडी छाँह भी देगा और अगर कहीं मेरे पास रबड़ का पेड़ होता, तो मैं अपना चाकू निकाल कर पेड़ की छाल में एक लंबा चीरा लगा देता। चीरे के तले में एक प्याला रख देता। पेड़ के दूधिया रस को मैं प्याले में भर लेता। रस को पकाकर मैं रबड़ बना लेता। रबड़ मैं बेच देता। रबड़ से लोग गुब्बारे, टायर और तरह-तरह की चीज़ें बना

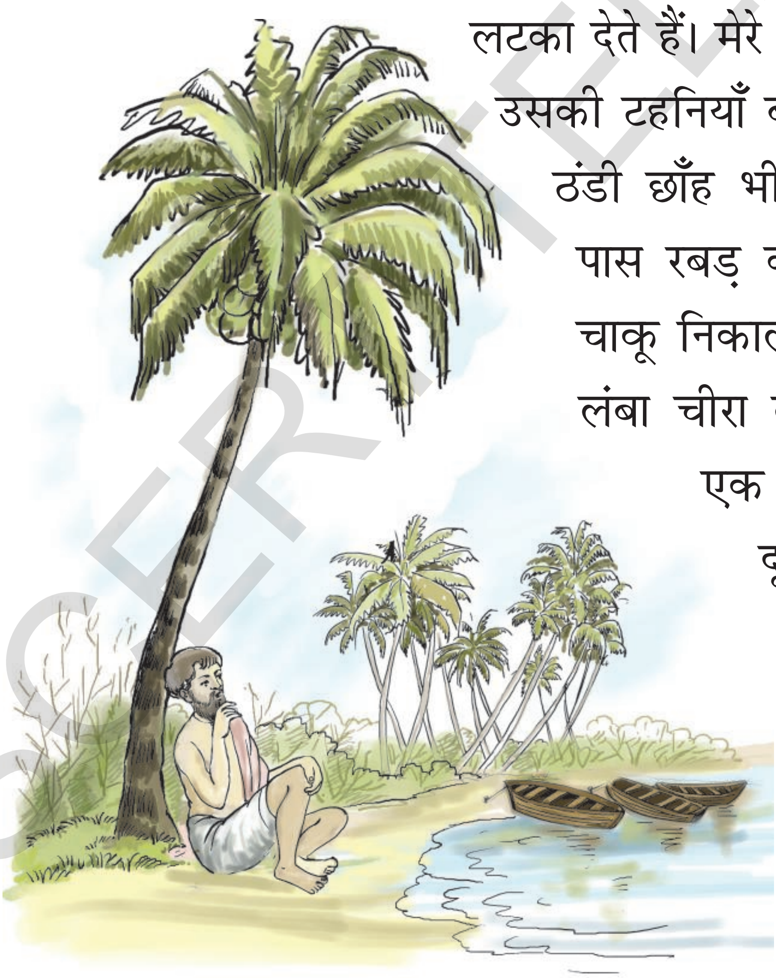

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

लेते।

अच्छे पेड़ों की क्या कमी है! नारियल के पेड़ की ही सोचो। नारियल की जटाओं को काटकर मैं मोटी डोरियाँ बना सकता हूँ और डोरियों से मैं मज़बूत चटाइयाँ भी बना सकता हूँ। रस्सियों और चटाइयों को मैं शहर के बाज़ार में बेच सकता हूँ। मैं नारियल का पानी पी सकता हूँ। मैं नारियल की गरी खा सकता हूँ और कुछ गरी सुखाकर मैं खोपरा भी तैयार कर सकता हूँ, खोपरे को पेरकर मैं गोले का तेल निकाल सकता हूँ। गोले का तेल साबुन और कितनी ही चीज़ें बनाने के काम आता है। नारियल के छिलके को साफ़ करके कटोरे और प्याले बना सकता हूँ। ठीक तो है, मेरे लिए तो यही पेड़ सबसे अच्छा है। मैं तो इसी के नीचे घर बनाऊँगा।

इसलिए तीसरे भाई ने नारियल के तले अपनी कुटिया बनाई और मज़े से रहने लगा।

तुम्हारे लिए कौन-सा पेड़ सबसे अच्छा है?

सुनिए-बोलिए

इनमें से कौन-सी चीज़ किससे बनी है?

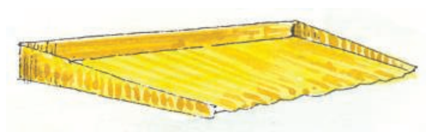

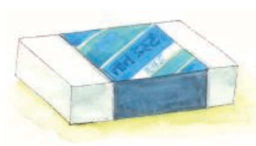

SCERT TELANGANA

1. किन फलों को छिलके के साथ नहीं खा सकते?
2. कौन-से फल हर मौसम में मिलते हैं?

पढ़िए

यहाँ कुछ पत्तियों के बारे में कुछ वाक्य दिए गए हैं। वाक्यों को सही चित्र से मिलाइए।
पत्ती पहचान पा रही हो तो उसका नाम भी लिख दीजिए।

- लंबी पतली पत्ती जो आगे से नुकीली है।

  ....

- नीचे से गोल आगे जाकर नुकीली हो जाती है।

  ....

- जिसके किनारे लहरदार हैं।

  ....

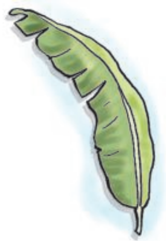

- गोल पत्ती

  ....

लिखिए

1. आम के फल का उपयोग कैसे होता है?
2. केले के पत्ते किस काम आते हैं?
3. नारियल के पेड़ से क्या-क्या लाभ हैं?

शब्द भंडार

हम दाँतों को मंजन से माँजते हैं। इसीलिए इसे मंजन कहते हैं। अब सोचिए और लिखिए इनके नाम ये क्यों हैं?

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

दातुन ....

छलनी ....

मथनी ....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. पाठ के आधार पर तीनों भाइयों के बीच वार्तालाप **लिखिए**।

प्रशंसा

1. पेड़ों से हमें क्या लाभ हैं? पेड़ों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने विचार **लिखिए**।

भाषा की बात

तुलना कीजिए

सही जगह पर (✓) का निशान लगाइए।

	नारियल	आम	केला
सबसे घना			
सबसे ऊँचा			
चढ़ने में सबसे आसान			
सबसे मोटा तना			
सबसे बड़े पत्ते			
सबसे मीठा फल			
फल खाना सबसे आसान			

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

चलिए बनाएँ बधाई कार्ड

ज़रूरी सामान : रंग-बिरंगी पेंसिल, शार्पनर (छीलनी), कार्डशीट या पोस्टकार्ड, गोंद और स्केच पैन

अपने आसपास के पेड़-पौधों से छोटी-छोटी फूल-पत्तियाँ इकट्ठी कीजिए। इन्हें किसी मोटी किताब में अलग-अलग पन्नों के बीच दबाकर रख दीजिए। एक-दो दिन बाद जब वे लगभग सूख जाएँ तो उन्हें मनचाहे कागज़ या कार्ड बनाकर उस पर चिपका दीजिए। चिपकाने के लिए सादा पोस्टकार्ड भी ले सकते हैं। स्केच पेन से जो भी संदेश आप लिखना दीजिए चाहते है, लिख दो।

ऐसे ही सुंदर-सुंदर कार्ड बनाकर अलग-अलग अवसरों पर अपने संगी-साथियों को भेजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पेड़ की आत्मकथा लिख सकता/सकती हूँ।		

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

पत्तियों का चिड़ियाघर

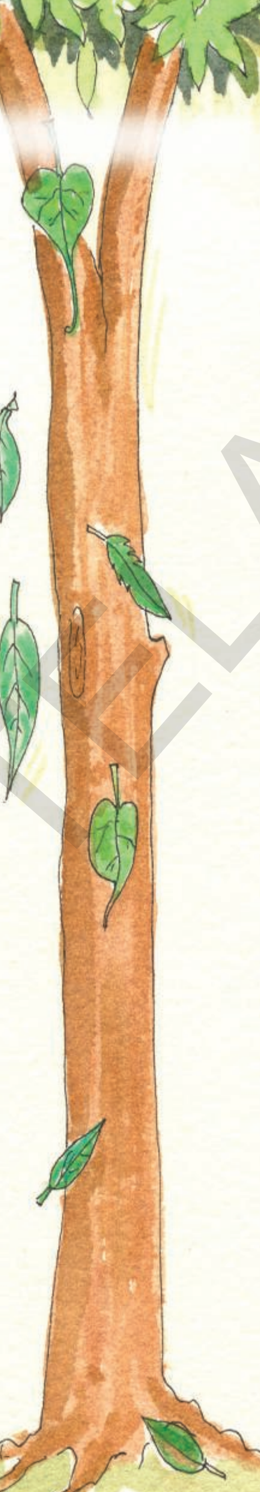

पेड़ों के कपड़े हैं पत्ते
पेड़ उन्हीं को पहने रहते
पेड़ों के बस्ते में होते
खेल खिलौने सस्ते सस्ते।

पत्तों का भी है संसार
पत्तों के हैं कई प्रकार
हर पत्ते का है आकार
केले बरगद और अनार।

पत्तों को छूकर तो देखो
उनसे हाथ मिलाओ तुम
हँसी-खेल में, बातचीत में
उनको मित्र बनाओ तुम।

अखबारों की तह के भीतर
उनको नींद सुलाओ तुम
अगर नींद से जाग उठें तो
गुन-गुन गीत सुनाओ तुम।

इन सूखे पत्तों से खेलो
मिलकर इन्हें सजाओ तुम
ये सारे दिलचस्प नमूने
कागज़ पर चिपकाओ तुम।

पीपल पेट, पूँछ डंडी की
पैर कनेर के, इमली की नाक
हरी घास की लंबी मूँछ
कहीं बबूल, कहीं पे ढाक

होते हैं बेजान न पत्ते
उनकी होती खास ज़ुबान
कोई पत्ता लगता चेहरा
कोई है चोटी की शान

पेड़ों के पत्तों से बच्चो
बनता सुंदर चिड़ियाघर
सैर करो तुम आज उसी की
जल्दी आओ करो सफ़र।

अरविंद गुप्ता

SCERT TELANGANA

शब्दकोश

आंगन = घर के सामने की खाली जगह, courtyard

ईर्ष्या = द्वेष, jealous

उदास = दुखी, sad

खोज = ढूँढ़ना, search

खबर = समाचार, news

खोल = आवरण, cover

घमंड = गर्व, proud

घायल = चोटिल, wounded

चाँदनी = चाँद का प्रकाश, moonlight

जलधार = पानी का बहाव, water bearing

ठिठोली = मज़ाक, joke

डरपोक = डरने वाला, coward

तरकीब = उपाय, shift (expendient)

तपना = जलना, roast

दहाड़ना = गरजना, roaring

पोखरी = छोटा तालाब , pond

पोखरी = छोटा तालाब , pond

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

पोथी = ग्रंथ, book

फ़ैसला = निर्णय, verdict, decision

भाप = वाष्प, vapour

मरियल = कमज़ोर, haggard

मचलना = ज़िद करना, nauseate

मुसीबत = कष्ट, trouble

मनसूबा= योजना, scheme

राह= मार्ग, way

हक= अधिकार, right

हुनर = कौशल, art

SCERT TELANGANA